संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 220
पृष्ठ 8
गुरूवार
01 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे...

विचार- पाठ्यक्रम से हटाकर इतिहास बदलती...

खेल- जीत के साथ कोलकाता की आस...

मोदी सरकार कराएगी जातिगत जनगणना

गन्ना किसानों को भी दी बड़ी सौगात, कैबिनेट बैठक में फैसला

नई दिल्ली। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को बैठक हुई। इस दौरान मेघालय से असम के लिए नए कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। 166 किमी. के इस हाइवे के लिए 22 हजार करोड़ से ज्यादा के बजट को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने गन्ना किसानों को भी बड़ी सौगात दी। सरकार ने गन्ने का एफआरपी बढ़ाने का फैसला लिया है। सरकार ने गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके अलावा सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर भी बड़ा फैसला किया। सरकार ने इसे मूल जनगणना के साथ ही समाहित करने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल की कोई बैठक नहीं हुई थी और केवल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की 23 अप्रैल को बैठक हुई थी और उसने आतंकी हमले की निंदा की थी।

सीसीएस की बैठक के बाद भारत ने लिए थे ये निर्णय

इससे पहले पिछली सीसीएस की बैठक के बाद भारत ने पिछले बुधवार को पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कम करने सहित कई उपायों की घोषणा की थी। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करने, छह दशक से अधिक पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अटारी भूमि–पारगमन चौकी को तत्काल बंद करने की घोषणा की। गौरतलब है कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना में पाकिस्तान का हाथ होने की बात सामने आई है। भारत ने कुल चार आतंकियों में से दो के पाकिस्तानी होने का खुलासा किया है। भारत ने इस घटना के मद्देनजर पाकिस्तान पर एक के बाद एक कार्रवाई जारी रखी है और सिंधु जल समझौता तोड़ने के बाद सोमवार को पाकिस्तानी यूट्यूब चौनल्स से जुड़ी सामग्री को भी बैन करने का फैसला किया है।

जनता दर्शन में सीएम की उदारता, एक महिला की गुहार पर सीएम का एक्शन

'समस्या का समाधान कराएंगे, घर जाने का किराया भी देंगे'

लखनऊ, संवाददाता। चिंता मत करिए, आपकी समस्या का समाधान कराएंगे और यहां से वापस घर जाने का किराया भी देंगे।' संवेदना के पुट में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले इस आत्मीय संबल ने जमीनी विवाद की समस्या लेकर जनता दर्शन में आई महिला कृतज्ञता के भाव में करबद्ध हो गई। हुआ यूं कि गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान एक महिला ने जमीनी विवाद से जुड़ी समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर सीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही का निर्देश देते हुए महिला को भरोसा दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन सुनते ही महिला ने भारी मन से एक और पीड़ा बता दी। कहा कि घर वापस जाने के लिए किराया नहीं है। महिला की यह बात सुन सीएम योगी ने कहा, परेशान मत होइए, घर

जाने का किराया भी मिल जाएगा। इतना कहते ही उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों से महिला को किराए की रकम देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के इस भावपूर्ण व्यवहार पर महिला करबद्ध होकर कृतज्ञता जताने लगी। बुधवार को आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और सभी समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित किए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत सख्त एक्शन लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। हर बार की भांति इस बार के जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ लोगों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें दुलारकर आशीर्वाद और चॉकलेट दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में अपने परिजनों के साथ गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने आए बच्चों पर खूब प्यार–दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों से खूब बातें की, हंसी–ठिठोली के बीच उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और फिर चॉकलेट देते हुए उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करने निकले थे। भ्रमण के दौरान सीएम योगी की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे खूब हंसी ठिठोली भी की। सबको चॉकलेट देकर और सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार, आशीर्वाद दिया। कुछ छोटे बच्चों को उन्होंने अपने हाथ से चॉकलेट खिलाया। सीएम योगी ने चार माह के जुड़वा बच्चों (भाई–बहन) को अपनी गोद में लेकर दुलार किया और आशीर्वाद दिया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। बुधवार प्रातःकाल शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश के बीच समय बिताया और गोसेवा की। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी जब भीम सरोवर पर पहुंचे तो वहां बतखों का समूह विचरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चारा खिलाकर बतखों पर भी स्नेह बरसाया।

रूस के विक्ट्री डे परेड में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे शामिल, पुतिन ने मोदी को किया था इनवाइट

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए रूस नहीं जाएंगे। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। प्रधानमंत्री मोदी को विजय दिवस समारोह में भाग लेना था, जो द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत रूस की जीत की 80वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले महीने रूस की विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जनवरी 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, सोवियत सेना ने जर्मनी के खिलाफ एक आक्रामक अभियान शुरू किया, जो लाल सेना की जीत के साथ समाप्त हुआ। इसके बाद, 9 मई को कमांडर–इन–चीफ ने जर्मनी के बिना शर्त आत्मसमर्पण के अधिनियम पर हस्ताक्षर किए, जिससे युद्ध समाप्त हो गया। पीएम मोदी की पिछली रूस यात्रा जुलाई 2024 में हुई थी, जो लगभग पांच वर्षों में उनकी पहली विदेश यात्रा थी। प्रधानमंत्री ने 2019 में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सुदूर पूर्वी शहर व्लादिवोस्तोक का दौरा किया था। यह ताजा फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत ने इस महीने की शुरुआत में पहलगाम में हुए आतंकी हमलों का कड़ा जवाब देने का संकल्प लिया है। 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था।

ममता ने कोलकाता में आग पीड़ितों के लिए की अनुग्रह राशि की घोषणा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोलकाता आग के पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मृतकों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, "राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये मिलेंगे।" उन्होंने लिखा, "बुर्राबाजार इलाके में एक निजी होटल (ऋतुराज) में हुई दुर्भाग्यपूर्ण आग की घटना के नतीजों पर नज़र रखी जा रही है और सबसे प्रतिकूल परिस्थितियों से लगभग 99 लोगों को बचाने में अग्निशमन सेवाओं और पुलिस के प्रयासों की सराहना करती हूं।" सुश्री ममता ने अपनी संवेदना और एकजुटता दोहराते हुए लिखा, "बचाव कार्यों में सहयोग और मदद के लिए स्थानीय लोगों का भी आभार। मुझे प्रारंभिक तौर पर बताया गया है कि मरने वाले लोग दम घुटने/कूदने आदि के शिकार हुये है। आगे की जांच चल रही है।" यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोलकाता के केंद्रीय व्यापारिक जिले बुर्राबाजार में आग लगने से 14 लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करने और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा के तुरंत बाद की गई है।

सिंहाचलम मंदिर में दीवार गिरने से सात लोगों की मौत, कई घायल

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर सिंहाचलम में बुधवार तड़के टिकट खरीदने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गंधमावस्या पर प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में भगवान वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन के लिए 300 रुपये का टिकट खरीदने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु कतार में खड़े थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान पट्टी दुर्गा स्वामी नायडू (32), येदला वेंकट राव (48), मुम्मापटला मणिकांठा (28), गुज्जरी महालक्ष्मी (65), पैला वेंकट रत्नम (45), पिल्ला उमामहेश्वर राव (30) और पिल्ला शैलजा (26) के रूप में हुई है। मृतकों में से सॉफ्टवेयर इंजीनियर पिल्ला उमामहेश्वर राव, उनकी पत्नी पिल्ला शैलजा, उनकी मां पिल्ला पैला वेंकटरत्नम और उनकी चाची जी महालक्ष्मी एक ही परिवार के सदस्य थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आधी रात के बाद

हजारों लोग पहाड़ी मंदिर में पहुंचने लगे और विशेष दर्शन के लिए टिकट खरीदने के लिए लंबी कतार में लग गए। इस दौरान भारी बारिश के साथ तूफान आया, जिसके कारण 20 फुट लंबी दीवार का एक हिस्सा गिर गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद राज्य की गृह मंत्री वी अनिता, जिला कलेक्टर एम.एन, हरेंधीरा प्रसाद, पुलिस आयुक्त शंखब्रत बागची, सांसद एम श्रीभारत मौके पर पहुंचे। वहीं, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने पीड़ितों को मलबे से निकाला और उन्हें अस्पतालों में पहुंचाया। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख और सदमे का इजहार किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25–25 लाख रुपये और घायलों को तीन–तीन लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ आभासी माध्यम से बात कर घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, "आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि से गहरा दुख हुआ है।

मोदी ने कोलकाता में आग लगने से लोगों की मौत पर जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषणा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकात के एक होटल में आग लगने और लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है तथा मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) को दो–दो लाख रुपये तथा जख्मी लोगों को 50,000–50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, "कोलकाता में आग लगने की दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। जख्मी लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 02–02 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जख्मी लोगों को 50,000–50,000 रुपये दिए जाएंगे।" गौरतब है कि मध्य कोलकाता के बड़ाबाजार में फलपट्टी मछुआ के पास स्थित ऋतुराज होटल में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य जख्मी हुए हैं।

यही है एकजुटता से पाकिस्तान को सबक सिखाने का सही वक्त : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश में एकता और एकजुटता का ज़बरदस्त माहौल है और यही सामूहिक रूप से पाकिस्तान को सबक सिखाने का सही वक्त है ताकि पहलगाम जैसे अपराध करने की वह कभी सोच भी न सके। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश में यहां जारी बयान में कहा, "यह एकता और एकजुटता का समय है। यह वह समय है जब हमें सामूहिक संकल्प के साथ पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना है जिसे वह कभी न भूल पाए।" उन्होंने कहा, "हमले के तुरंत बाद 22 अप्रैल की रात को ही कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक की मांग की थी। यह बैठक दो दिन बाद हुई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसमें शामिल नहीं हुए। फिर इस मामले में 24 अप्रैल को पारित कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव बिल्कुल स्पष्ट है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की है।" कांग्रेस प्रवक्ता ने पहले की स्थिति का हवाला देते हुए भाजपा पर हमला करते हुए कहा, "लेकिन 28 नवम्बर 2008 को, मुंबई में भीषण आतंकी हमलों के महज दो दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने क्या किया। एक दिखावटी कदम उठाते हुए, उस समय के गुजरात के मुख्यमंत्री मुंबई गए और वहां मीडिया को संबोधित कर राजनीतिक दिखावा किया। उसी दिन भाजपा ने अखबारों में एक बेहद आपत्तिजनक विज्ञापन भी जारी किया था। यह इतिहास है।" पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए एकजुटता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, "हम सभी को इस बेहद संवेदनशील समय में जिम्मेदारी और एकजुटता के साथ खड़े रहना चाहिए। देश इंतज़ार कर रहा है।"

पहलगाम आतंकी हमला : आरएसएस प्रमुख भागवत ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। आरएसएस को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शक माना जाता है, इसलिए यह बैठक मायने रखती है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक आतंकी हमले के सिलसिले में हुई। यह बैठक, मोदी द्वारा यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सशस्त्र बलों के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता किये जाने के बाद हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी

प्रधानमंत्री से मुलाकात की है। आरएसएस ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए इसे राष्ट्र की एकता और अखंडता पर हमला बताया है और इसे अंजाम देने वालों को उपयुक्त सजा देने की मांग की।

हृदय रोग इकाई का राहुल गांधी ने किया उद्घाटन

● अमेठी के दौरे पर पहुंचे राहुल गांधी, ऑर्डिनेंस फैक्टरी और ओपन हार्ट सर्जरी थिएटर का किया निरीक्षण

अमेठी। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद लगभग दस महीने के लंबे अंतराल के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे। दौरे के दौरान राहुल गांधी का जगह–जगह भव्य स्वागत हुआ और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला। उन्होंने कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में निर्मित हथियारों का निरीक्षण किया और मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल परिसर में ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया। राहुल गांधी का काफिला सबसे पहले अमेठी के कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी पहुंचा। जहां उन्होंने फैक्टरी में बन रहे घरेलू हथियारों और तकनीकी उपकरणों की जानकारी ली। फैक्टरी अधिकारियों ने उन्हें उत्पादन प्रक्रिया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। संजय गांधी अस्पताल में हृदय रोगियों को मिलने वाली सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद राहुल गांधी मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को लखनऊ या अन्य शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अमेठी में ही अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। राहुल गांधी ने जिले के सीनियर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक पार्टी को सक्रिय करें और ऐसे लोग आगे आएं जो समय देकर संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें।

डेढ़ लाख टन राख से बनेगी आधुनिक पुल की सर्विस लेन

प्रयागराज। गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल की सर्विस लेन को बनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मलाक हरहर से पुल को जोड़ने के लिए चार किमी लंबी लेन के लिए डेढ़ लाख टन राख का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए पुल बना रही सिंगला कंपनी ने एनटीसीपी से करार पर समझौता किया है। मई के दूसरे सप्ताह से राख के साथ मिट्टी व पत्थर के मिश्रण से लेन को बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। कंपनी की ओर से जहां एक सप्ताह पहले पुल को बनाने के लिए डेढ़ साल की मोहलत दिए जाने को लेकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को पत्र लिखा गया था। वहीं 17 अप्रैल को चार किमी की सर्विस लेन के लिए राख उपलब्ध कराने को एनटीपीसी से करार किया गया। इस लेन को बनाने के लिए राख की खेप मई के दूसरे सप्ताह से आनी शुरू हो जाएगी और जिसे तैयार करने में कम से कम छह महीने का वक्त लगेगा। महाकुम्भ के लिए बनाए गए स्टील ब्रिज से शहर की ओर आने के लिए भी राख का इस्तेमाल किया जा चुका है। जब स्टैनली रोड चौराहे से लेकर लाला लाजपत राय रोड तक करीब पांच सौ मीटर के क्षेत्र में राख व मिट्टी के मिश्रण से सड़क को तैयार कराया गया था। कंपनी के एमडी सुनील सिंगला ने बताया कि हमारा प्रयास है कि दस मई से सर्विस लेन को बनाना शुरू किया जाए। जिसे अक्तूबर से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

आध्यात्मिक विवि में वेद, हिंदू दर्शन, मंदिर प्रबंधन की होगी पढ़ाई

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रस्तावित प्रयाग आध्यात्मिक विश्विद्यालय में वेद, हिंदू दर्शन और मंदिर प्रबंधन आदि पढ़ाने का प्रस्ताव है। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने देश के अनूठे विश्वविद्यालय का प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा है। प्रस्ताव में विश्वविद्यालय की पढ़ाई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद लेने का भी विचार है। पीएमओ को भेजे गए विश्वविद्यालय के प्रस्तावित शिक्षा संरचना में वेद के साथ उपनिषद, ब्रह्म सूत्र और पुराण, भगवत गीता व स्मृति शास्त्र को शामिल करने की योजना है। इनके अलावा हिंदू दर्शन, संस्कृत और मंत्र उच्चारण की विधा, आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में मंदिर प्रशासन, राजस्व प्रबंधन मंदिर प्रबंधन के लिए छात्रों को एआई की पढ़ाई का विचार है। महापौर ने बताया कि विश्विद्यालयके निर्माण के सिलसिले में मांग पत्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को दिया था। विश्वविद्यालय निर्माण को लेकर जल्द केंद्रीय मंत्री से मिलेंगे। पीएमओ को भेजे गए विश्वविद्यालय के प्रस्ताव तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी ने बताया कि भावी पाठ्यक्रम को तैयार करने में प्रयागराज और काशी के कई विद्वानों की मदद ली गई है। विद्वानों का सुझाव संकलित कर पीएमओ को भेजा गया है। विश्वविद्यालय निर्माण के लिए पीएमओ से 150–200 एकड़ जमीन देने, उत्कृष्ट केंद्र को राष्ट्रीय मान्यता देने, एआई संचालित धार्मिक प्रशासन के लिए वित्तीय एवं अवसंरचनात्मक सहायता करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विशिष्ट विश्वविद्यालय को शामिल करने की मांग की गई है। इसमें छात्रावास का भी प्रावधान होगा।

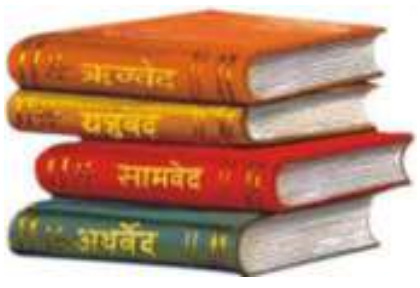

तीन दिन में न दिया जवाब तो होगी कार्रवाई

प्रयागराज। पंचायतों के खाते से तीन वित्तीय वर्ष में गायब किए तीन करोड़ रुपये का हिसाब तीन दिन में न देने पर कार्रवाई की जाएगी। बुधवार सुबह डीपीआरओ रविशंकर द्विवेदी ने एडीओ पंचायत को तत्काल पत्र जारी कर जवाब मांगने के लिए कहा है। पंचायतों के खाते में आए करोड़ों रुपये प्रधानों और सचिवों ने डकार लिए हैं। वित्तीय वर्ष 2015–16 में चार प्रधानों और सचिवों ने 13 लाख 86 हजार, 353 रुपये, वित्तीय वर्ष 2016–17 में 12 प्रधानों और सचिवों ने कुल 67 लाख एक हजार 31 रुपये और वित्तीय वर्ष 2017–18 में कुल 28 प्रधानों और सचिवों ने दो करोड़ 19 लाख 27 हजार 61 रुपये की राशि का हेरफेर किया है। ऑडिट में जब इस राशि के हेरफेर की जानकारी हुई और इस पर आपत्ति जताई गई तो सभी को नोटिस निर्गत किया गया लेकिन आज तक किसी ने जवाब नहीं दिया। डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने एडीओ पंचायत को निर्देश दिया है कि सभी से स्पष्टीकरण मांगे।

प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना भवन का मई से शुरू होगा निर्माण

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा दो साल के इंतजार के बाद एयरपोर्ट थाने को खुद का भवन मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। बजहां गांव में चिह्नित जमीन पर नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कार्यदायी संस्था जल निगम की ओर से ई–टेंडर के माध्यम से निविदा मांगी गई थी। थाना भवन की अनुमानित लागत 6 करोड़ 86 लाख 44 हजार रुपये निर्धारित की गई है। थाना भवन बनने के बाद पुलिसकर्मियों को सहूलियत होगी। महाकुम्भ 2025 के मद्देनजर जुलाई 2023 में एयरपोर्ट थाना बनाया गया था। यह प्रयागराज का 42वां थाना है। वर्तमान में रहीमाबाद पुलिस चौकी में ही एयरपोर्ट थाने का संचालन हो रहा है। शासन की ओर से वर्ष 2023 में ही बमरौली एयरपोर्ट से लगभग चार किमी दूर बजहां गांव में 1.5 हेक्टेयर जमीन भी अधिग्रहीत कर ली गई थी। वर्ष 2023 में जब एयरपोर्ट थाने की शुरुआत की गई तो प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के पीपलगांव पुलिस चौकी का कुछ क्षेत्र और कौशाम्बी जिले की रहीमाबाद और रावतपुर पुलिस चौकी को भी शामिल किया गया। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुल 49 गांव शामिल हैं। अब महाकुम्भ बीतने के बाद एयरपोर्ट थाना भवन बनाने की कवयाद शुरू कर दी गई है।

राजू पाल के हत्यारों को बरेली जेल में शिफ्ट करने की मांग, विधायक पूजा पाल ने जताई हत्या की आशंका

प्रयागराज। विधायक पूजा पाल ने विधायक राजू पाल हत्याकांड के अभियुक्तों को बरेली जेल भेजने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में चायल विधायक ने कहा कि राजू पाल हत्याकांड के तीन खूंखार अभियुक्त आबिद पुत्र बच्चा मुंशी उर्फ अनवारुल हक, जावेद उर्फ जाबिद पुत्र बचऊ और गुलहसन पुत्र मुख्तार मार्च 2024 में हाईकोर्ट से सजा पाने के बाद नैनी केंद्रीय कागार में बंद हैं। विधायक पूजा पाल ने विधायक राजू पाल हत्याकांड के अभियुक्तों को बरेली जेल भेजने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में चायल विधायक ने कहा कि राजू पाल हत्याकांड के तीन खूंखार अभियुक्त आबिद पुत्र बच्चा मुंशी उर्फ अनवारुल हक, जावेद उर्फ जाबिद पुत्र बचऊ और गुलहसन पुत्र मुख्तार मार्च 2024 में हाईकोर्ट से सजा पाने के बाद नैनी केंद्रीय कागार में बंद हैं।

अंडर पास को जोड़ ने वाली सड़क छोड़ दी अधूरी, ऊबड़-खाबड़ राह पर चलना बन गई मजबूरी

प्रयागराज। कर्नलगंज में महाकुम्भ के पूर्व जब अंडरपास बनना शुरू हुआ तो लोग इस बात से काफी खुश थे कि अब उन्हें आवागमन में सहूलियत होगी लेकिन अंडरपास को जोड़ने वाली सड़क न बनने से जल्द ही लोगों की उम्मीद पर पानी फिर गया। एलनगंज की इस बदहाल सड़क से गुजरना काफी तकलीफदेह साबित हो रहा है। इस मार्ग से देर रात तक लोगों का आना जाना बना रहता है और यातायात का भारी दबाव रहता है। एलनगंज की यह मुख्य सड़क है साथ ही करीब आधा दर्जन मोहल्लों के साबित हो रहा है। कुम्भ मेला के पूर्व अंडरपास के निर्माण की जानकारी पर लोगों को पूरी उम्मीद थी कि मेला के दौरान इलाके की सूरत बदल जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस महत्वपूर्ण स्थान की पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई। अंडरपास को आधा दर्जन मोहल्लों से जोड़ने वाली इस सड़क को इसके हाल पर छोड़ दिया गया। जिसका खामियाजा हजारों लोग रोज भुगत रहे हैं। अंडर पास के ठीक पहले सड़क और अंडरपास की ऊंचाई में इतना गैप है कि ठोकर लगने से आए दिन स्कूटी एवं बाइक चाहते है जो हो नहीं पा रहा है जिससे लोगों में काफी रोष है।

लो प्रेशर के साथ दूषित जलापूर्ति बड़ी समस्या

यहां लोग लम्बे समय से पानी के लो प्रेशर की समस्या से परेशान हैं। लोगों ने बताया कि गर्मी में उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। लो प्रेशर के चलते घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता। साधन संपन्न लोग तो किसी प्रकार मोटर आदि लगाकर टंकी भर लेते है लेकिन साधन विहीन लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब एक सप्ताह से लोगों समस्या पैदा हो रही है। लोग शिकायत कर रहे हैं लेकिन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा।

नाला–नालियां चोक, गंदगी से परेशान

यहां नाला–नालियों की नियमित सफाई न होने से उनमें सिल्ट जमा हो गया है जिससे पानी का बहाव रुक रहा है। गंदगी और दुर्गंध से लोग परेशान रहते हैं। लोगों की शिकायत है कि नियमित सफाई न होने से नाले–नालियों में गंदा पानी रुका रता है, ऊपर से नाले खुले हुए हैं दुर्गंध और मच्छर बढ़ रहे हैं। लोग बताते हैं कि कुछ दिन पूर्व नाली की पाइप डाली गई जो काफी पतली है जिसके कारण पानी ठीक से नहीं निकल पा रहा है। सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराकर नाले नालियों को ढक दिया जाय तो लोगों की परेशानी कम हो सकेगी।

बदहाल सड़क के गड्ढों के कारण वाहनों को निकलने में काफी दिक्कत होती है। गड्ढों के कारण वाहन खास तौर पर ई रिक्शा हिचकोले खाते हुए निकलते हैं और हमेशा पलटने का खतरा बना रहता है। वाहनों के गड्ढों में फंसने से जाम लग जाता है। वाहनों के रेंग–रेंग कर निकलने के कारण लोगों में पहले निकलने की होड़ रहती है। सड़क के गड्ढों और मार्ग पर बिखरी गिट्टियों के कारण लोगों के वाहनों के टायर एवं कल पुर्जे भी समय से पहले खराब हो जा रहे हैं। सड़क बन जाए तो लोगों को आए दिन की जाम की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा।

क्षेत्र में बहुत से काम अब तक नहीं हो पाए हैं। समस्याओं को लेकर तत्कालीन नगर आयुक्त को कई बार चिट्ठी भेजी गई लेकिन कुछ नहीं हुआ।–नितिन यादव पूर्व पार्षद

रोड अंडर पास का संपर्क मार्ग खराब है। आने–जाने वालों को समस्या होती है। आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।–अजय पाल

सड़क खराब है। आये दिन जाम लगता है। वाहनों की आवाजाही से धूल भी उड़ती है जिससे समस्या होती है।–श्रीष त्रिपाठी

पुल के ठीक नीचे सड़क ऊंची–नीची है। जिससे आये दिन ई–रिक्शा पलट जाते हैं। सवारियां चोटिल हो जाती हैं।–सनी

अंडर पास बनने के बाद ट्रैफिक लोड बढ़ गया है। वाहनों की आवाजाही बढ़ी है। सड़क खराब है जिससे जाम लगता है।–रामबाबू यादव

रोड से सटी गली में सीवर लाइन बिछाई गई थी। जब से गली क्षतिग्रस्त है पुलिया टूटी है। आए दिन लोग चोटिल होते हैं।–अशोक अग्रवाल

सड़क और गली दोनों ही क्षतिग्रस्त है। मार्ग से आने–जाने में समस्या होती है। मार्ग बन जाए तो लोगों की परेशानी दूर हो।–अंकुर यादव

गली न बनने से आने और जाने में दिक्कत होती है। मलबा भी पड़ा है जिससे मार्ग और संकरा हो गया है। पता नहीं कब सड़क बनेगी। –अश्वनी कुमार

गली में प्रवेश करने वाली पुलिया टूटी है। इसी मार्ग से लोग आते–जाते हैं। दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। पुलिया बन जाए तो सुविधा होगी।–मनीष दीक्षित

सीवर लाइन बिछाने के लिए मार्ग खोदा गया था। तब से अब तक इसे बनाया नहीं गया है। गली क्षतिग्रस्त है, यह बननी चाहिए।–प्रदीप साहू

अंडर पास मुख्य मार्ग है। यह मार्ग बदहाल होने के चलते आये जाम की समस्या होती है। सड़क पर धूल उड़ती रहती है।–रंजीत कुमार

काफी समय से गली में मलबा पड़ा है। रास्ता और भी संकरा हो गया है। मलबा हटाकर गली बननी चाहिए तब राहत होगी।–प्रेम सिंह

घर को जोड़ने वाली गली खराब है। आये दिन बच्चे गिरकर चोटिल होते हैं। सड़क की दशा में ठीक नहीं है। कोई सुनने वाला नहीं है।–अनिल कपूर

गली में बिजली का पोल टेढ़ा हो गया है। हादसा होने का खतरा बना रहता है। गली बने और पोल ठीक होने चाहिए।–महेश चंद्र

नाली की पुलिया क्षतिग्रस्त है। लोगों की उसमें गिरने की संभावना बनी रहती है। इसे जल्द बनना चाहिए। नालों को ढकना चाहिए।–अरुण कुमार

सड़क बनने की बात कही गई थी लेकिन अब तक इसे बनाया नहीं जा सका है। सड़क पर बिछी गिट्टियां फैल रही हैं जिससे लोग चोटिल होते हैं।–अमन यादव

मेन रोड के बगल की गली क्षतिग्रस्त है। बिजली का पोल टेढ़ा है। पुलिया टूटी हुई है। यह की समस्याएं दूर होनी चाहिए।–अभिषेक यादव

1. अंडर पास को जोड़ने वाली सड़क की बदहाली से परेशानी ।
2. सीवर बनने के बावजूद उसे घरों से जोड़ा नहीं गया।
3. लो प्रेशर एवं दूषित जलापूर्ति के कारण पानी की समस्या।
4. नाले-नालियों की नियमित सफाई न होने से उनमें सिल्ट जमा है।
5. खुले नालों के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है।
6. अंडरपास को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण पूरा किया जाए।
7. सीवर को लोगों के घरों से जोड़कर कर चौम्बरों की ऊंचाई ठी कराई जाए।
8. पानी की क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को चिह्नित कर दुरुस्त कराया जाए।
9. नाले नालियों की नियमित सफाई करा कर उनमें जमा सिल्ट निकाली जाए।

लोग इस मार्ग का प्रयोग करते हैं। कुम्भ मेला के दौरान भी इस सड़क का निर्माण नहीं हो सका जिससे लोगों में काफी नाराजगी है। यहां के बाशिन्दों की समस्या जाननी चाही तो लोगों ने इस दम तोड़ रही सड़क को प्रमुख समस्या बताया साथ ही चोक नाले–नालियां, दूषित पेयजल आपूर्ति और पानी का लो प्रेशर, सीवर लाइनों को न जोड़ना जैसीं समस्याएं गिनाईं। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि कई बार की शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार मूक दर्शक बने हुए हैं।

एलनगंज में हालिया बने अंडर पास को जोड़ने वाली सड़क दम तोड़ने के कगार पर है। इसी सड़क से होकर एलनगंज सहित छोटा बघाड़ा, सलोरी, रामप्रिया रोड, घरहरिया एवं जवाहरगंज के लोग आते–जाते हैं। जिन्हें जर्जर सड़क के गड्ढों से होकर गुजरना पड़ता है जो बेहद तकलीफदेह सवार गिर जाते हैं। कई बार सवारियों से भरा ई –रिक्शा भी पलट चुका है। सड़क के गड्ढों के कारण वाहन रेंगते हुए निकलते हैं जिससे पहले निकलने की होड़ में आए दिन लोगों में चिक–चिक होती रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसकी शिकायत पूर्व में तत्कालीन नगर आयुक्त, स्थानीय पार्षद सहित विभागीय जिम्मेदारों से की गई लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। इसके साथ ही सड़क के किनारे बना नाला जगह–जगह से खुला हुआ है जो बेहद खतरनाक साबित हो रहा है। इसे ढकने की सख्त जरूरत बताई जा रही है। गलियों में इंटरलाकिंग उखड़ चुकी है, बिजली का पोल जर्जर होकर गिरने के कगार पर है। गलियों में सीवर के चौम्बर के ढक्कनों की ऊंचाई मार्ग से छह इंच अधिक होने के कारण आए दिन लोग गिरते रहते हैं। लोग समस्याओं का स्थायी निदान के घरों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। दूषित जलापूर्ति के कारण बीमारी फैलने की पूरी आशंका है। लोगों का कहना है कि पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होकर कहीं सीवर से जुड़ गई है जिसके कारण गंदा पानी घरों में आ रहा है। इसकी पड़ताल कर क्षतिग्रस्त पाइपों को ठीक किया जाए तो लोगों को राहत मिल सकेगी।

सीवर बना लेकिन जोड़ा नहीं गया

यहां पिछले दिनों सीवर लाइन का काम किया गया और गलियों में चौम्बर भी बने हैं लेकिन सीवर लाइन को जोड़ा नहीं गया जिसके कारण इसका इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। सीवर के लिए गलियां खोद दी गईं लेकिन न तो सीवर से लोगों के घरों को जोड़ा गया न ही ठीक से इंटरलाकिंग की गई। चौम्बर बनाते समय भी ऊंचाई का ध्यान नहीं रखा गया इन सब कारणों से तमाम

अक्षय तृतीया: ठाकुर बांके बिहारी के चरण दर्शन को उमड़े भक्त

–एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया ठाकुर जी के दर्शन
–इस दिन वर्ष में एक बार होते हैं बांके बिहारी के चरण दर्शन

मथुरा। अक्षय तृतीया पर अपने आराध्य ठाकुर बांकेबिहारी के चरण दर्शन को जनसैलाब उमड़ पडा। बुधवार को एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन किये। प्रशासन को भीड के आने का पूर्वानुमान था। भीड और यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त इंतजाम किये गये थे। वृंदावन को सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से तीन जोन और नौ सेक्टर मे बांटा गया था। मंगलवार की शाम से ही रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया था। वृंदावन में वाहनों का प्रवेश पूर्ण प्रतिबंधित किया गया है। वाहनों को खडा करने के लिए पर्याप्त पार्किंग बनाई गयी हैं। मंगलवार की शाम से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। वृंदावन स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में बुधवार को अक्षय तृतीया का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इस दिन ठाकुर बांके बिहारी जी महाराज वर्ष में एक बार अपने भक्तों को चरण दर्शन देते है अक्षय तृतीया पर ठाकुर बाँके बिहारी जी महाराज को शीतलता प्रदान करने के लिए लगभग 100 किलो चंदन से सेवा प्रदान की जाएगी इसी के साथ साथ वृंदावन के अन्य मंदिरों में भी चंदन सेवा की जाती है यह दिन बांके बिहारी के भक्तों के लिए बेहद खास होता है इन विशेष दर्शनों के लिए लोग साल भर तक इंतजार करते है बता दें कि चरण दर्शन साल में एक बार ही होते है इसलिए इसका विशेष महत्व है ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए हजारो लाखो की संख्या में श्रद्धालुओं का जमावड़ा उमड़ पड़ा अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिए सुबह से ही भक्त लालाहित दिखे मंदिर के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ एकत्रित होने लगी और देखते ही देखते मंदिर से विद्यापीठ चौराहे तक लंबी लाइन लग गई किसी भी श्रद्धालु को कोई भी परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए प्रशासन द्वारा काफी पुख्ता इंतज़ाम किए गए चप्पे चप्पे पर सुरक्षा के दृष्टिग्रत भारी पुलिसबल तैनात रहा। वृंदावन में बांके बिहारी जी के दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते है उन दिनों में ठाकुर जी के चरण दर्शन नहीं होते है साल में सिर्फ एक बार अक्षय तृतीया के दिन ही भक्तों को चरण दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है ऐसी मान्यता है कि इस दिव्य दर्शन पाने से भक्तों पर विशेष कृपा बरसती है इसके साथ ही जीवन खुशियों से भर जाता है।

100 किलो चंदन से किया गया लेपन

ठाकुर बांके बिहारी जी महाराज को शीतलता प्रदान करने के लिए करीब 100 किलो चंदन का लेपन किया गया जिस चंदन से बिहारी जी की सेवा की जाती है वो कोई मामूली चंदन नहीं बल्कि मलयागिरी चंदन होता है जो की दक्षिण भारत से लाया जाता है इस चंदन की घिसाई का काम मंदिर के गोस्वामी जनों द्वारा किया जाता है।

चरणों में चंदन का गोला रख भक्तों को दिए दर्शन

अक्षय तृतीया पर जन जन के आराध्य ठाकुर बांके बिहारी लाल ने अपने भक्तों को चरणों में चंदन का गोला रखकर दर्शन दिए इस दौरान बाहर से आए हुए श्रद्धालु इस मनमोहक दृश्य को देख मंत्रमुग्ध हो गए जिसने भी इस मनमोहक दृश्य को निहारा देखता ही रह गया।

डीएम, एसएसपी ने खुद सम्हालीं व्यवस्था

जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं एसएसपी श्लोक कुमाने अक्षय तृतीया के बडे पर्व को देखते हुए वृंदावन में खुद मौजूद रहे कर व्यवस्थाओं को सम्हाला। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने ब्रजवासियों को अक्षय तृतीया का हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज माना जाता है कि ठाकुर जी के चरणों के दर्शन वर्ष भर में एक दिन होते हैं। पूरा प्रयास है कि जो भी श्रद्धालु आए वह अच्छा अनुभव लेकर वापस जाएं। मेडिकल, साफ सफाई, खोया पाया केंद्र सहित तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारी लगाए गए हैं। वहीं एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि अक्षय तृतीया पर लाखों श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। तीन जोन नौ सेक्टर में विभाजित कर ड्यूटियां लगाई गई हैं। ट्रेफिक के लिए प्लान तैयार किया गया है। जिसमें पार्किंग एरिया, होल्डिंग एरिया, डायवर्जन एरिया तय किये गये।

प्रयागराज डबल मर्डर: सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध की तलाश, पहले दिन की थी रेकी

प्रयागराज। एडीए कॉलोनी स्थित घर में वृद्ध दंपती की निर्मम हत्या करने के बाद लूट को अंजाम देने वाला कातिल 24 घंटे बाद भी पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्ध की तलाश में है। वहीं, चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हालांकि फुटेज में संदिग्ध कातिल एक दिन पहले भी वृद्ध दंपती के घर आने का सुराग मिला है। इससे पुलिस को शक हैं कि कातिल ने पहले रेकी की, फिर दूसरे दिन योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर लूटपाट को अंजाम देकर फरार हो गया। एडीए कॉलोनी निवासी 65 वर्षीय अरुण कुमार श्रीवास्तव और उनकी पत्नी 60 वर्षीय मीना श्रीवास्तव की सोमवार दोपहर घर के अंदर हत्या कर दी गई थी। कातिल ने वारदात को अंजाम देने के बाद बकायदे कमरों में फैले खून को साफ करने की भी कोशिश की। इसके बाद आलमारी का लॉक तोड़कर लूटपाट करने के बाद मेन गेट पर ताला बंदकर फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध कातिल लाल रंग के गमछे से मुंह ढका दिखा है। उसके बाएं हाथ में झोला व दाहिने हाथ में अन्य सामान दिखाई पड़ रहा है। पुलिस की मानें तो संदिग्ध कातिल एक दिन पहले रविवार को भी वृद्ध दंपती के घर पर आया था। वृद्ध दंपती की हत्या के बाद उनके दो मोबाइल फोन भी गायब हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो दोनों मोबाइल अब भी ऑन है। दोनों मोबाइल पर रिंग भी जा रही है। हालांकि कॉल रिसीव नहीं हो रहा है। सर्विलांस टीम मोबाइल की लोकेशन छिवकी रेलवे स्टेशन से लेकर कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल के समीप मिल रही है। पुलिस लोकेशन के आधार पर कातिल की तलाश में जुटी है। वृद्ध दंपती के मकान के दूसरे तल में चहुंओर खून के छीटें निर्मम हत्या की दास्ता बयां कर रहे हैं। मकान की सीढ़ी, कमरे के अंदर दीवार व बाल्टी में खून के दाग मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर गहनता से पड़ताल कर साक्ष्य इकट्ठा किए हैं। मृत दंपती के परिजन व पड़ोसी ने जब कमरे के अंदर का हाल देखा तो सिहर उठे। मोहल्ले वालों में भी जघन्य घटना के बाद से आक्रोश व्याप्त है। एसआरएन अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस पर मंगलवार को मृतक अरुण कुमार श्रीवास्तव के इकलौते बेटे मनीष ने बताया ने बताया कि रविवार को ही माता–पिता से मिलकर शाम छह बजे सीधी के लिए निकला था। सोमवार को भी पिता से बात हुई थी लेकिन कुछ ही देर बाद दिल दहला देने वाली खबर सुनते ही अचेत हो गया। आखिर इतनी बेरहमी से मेरे माता–पिता की हत्या क्यों की गई, उनकी किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी। वो हमेशा पारिवारिक कार्यों में सक्रिय रहते थे और पूरे परिवार को जोड़े रखते थे। बनारस से आए मनीष के चचेरे भाई और काशी सेवा भारती के विभाग के मंत्री प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि चार भाइयों में सबसे बड़े अरुण ही थे।

लिफ्ट लेकर आरोपी ने बाईक चालक के साथ की मारपीट

भोपा। देर शाम मुजफ्फरनगर से घर वापिस लौट रहे बाईक सवार चालक के साथ रास्ते मे लिफ्ट लेकर सवार हुए गांव के ही व्यक्ति ने चालक को गलियां देकर मारपीट की। पीड़ित के साथ थाने पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओ ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मलपुरा निवासी

जोनी ने सोमवार रात भीम आर्मी कार्यकर्ताओं के साथ भोपा थाने पर पहुंचकर बताया कि देर शाम वह अपना काम निपटाकर मुजफ्फरनगर से वापस गांव लौट रहा था। पीड़ित ने बताया कि जब वह मलपुरा के पास ट्यूबवेल पर पहुंचा तो वहां मौजूद ट्यूबवेल मालिक ने अपने पास खड़े गांव निवासी व्यक्ति को बाईक पर बैठाकर घर छोड़ने के लिए कहा जिसपर जॉनी ने उस व्यक्ति को अपनी बाईक पर बैठाकर उसके घर छोड़ने चला गया। आरोप है कि जब जॉनी आरोपी को घर छोड़कर वापस अपने घर जा रहा था तभी आरोपी अकारण ही जॉनी के साथ गाली गलौच करने लगा और मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्द कहे। घटना को लेकर रोष व्याप्त हो गया। पीड़ित संग थाने पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ताओ ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मुजफ्फरनगर में कीटनाशक छिड़कने गए किसान की रहस्यमय परिस्थितियों मे मौत

शाहपुर। मुजफ्फरनगर में शाहपुर क्षेत्र के गांव पलड़ा में खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते समय किसान कृष्ण पाल (50) की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पत्नी का आरोप है कि उसके जेठ और उसके बेटों ने पीट–पीटकर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के गांव पलड़ा निवासी कृष्णपाल खेत में कार्य करने के लिए गया था, इस दौरान उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पत्नी मुकेश ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि उनका जेठ के साथ जमीनी विवाद चल रहा है। दो दिन पहले भी आरोपियों ने उसके पति के साथ मारपीट की थी। मंगलवार को वह और उसका पति अपने खेत पर चारा लेने के लिए गए थे। इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोग खेत पर पहुंचे और उसके पति पर लाठी डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। महिला ने बताया कि उसका पति हार्ट का मरीज था। आनन–फानन में परिजन उसके पति को कस्बे के अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां से उसे जिला मुख्यालय के लिए रेफर कर दिया। मुजफ्फरनगर अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। जानकारी मिली है कि ग्रामीण अपने खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करते समय बेहोश हुआ था। बाद में उसकी मौत हो गई।

एक साल से मथुरा पुलिस को छका रहा था शातिर शौकत

–मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में लगी गोली, पुलिस अस्पताल में कराया भर्ती

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एसओजी, स्वाट और जैंत पुलिस की गौ तस्कर से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हरियाणा के नूंह का रहने वाला तस्कर दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल गौ तस्कर को गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था इसको 11 महीने से तलाश किया जा रहा था। बताया जाता पिछले साल 23 मई 24 को पुलिस रात में चौकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कंटेनर संख्या एचआर 38 वी 2560 आता दिखाई दिया। नेशनल हाईवे पर पुलिस ने जब इसे रोकने का प्रयास किया तो इसने बैरियर को तोड़ दिया

और कोटा गांव से बाजना गांव की तरफ भागने लगा। पुलिस को पीछा आता देख कंटेनर में सवार तस्कर कंटेनर को छोड़ कर भाग गए जिसमें से पुलिस को 11 जिंदा और 19 मृत गौवंश मिला था। फरार गौ तस्कर की पहचान 35 वर्षीय शौकत मेव पुत्र शहाबुद्दीन निवासी सालाहेड़ी सदर नूंह हरियाणा के रूप में की गई। शौकत की तलाश में स्वाट और एसओजी की टीम को भी लगाया गया था। मंगलवार की देर रात शौकत की लोकेशन पुलिस को थाना जैंत क्षेत्र में मिली। जिसके बाद एसओजी, स्वाट और थाना जैंत पुलिस लोकेशन पर पहुंच गई। जहां शौकत मेव गौ तस्करी की तलाश में बाइक से आता दिखाई दिया। शौकत ने पुलिस को देखते ही एक के बाद एक 3 फायर कर दिए। जिसके बाद पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें उसके दोनों पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

सीएमओ प्रतिदिन चार सीएचसी का करें भ्रमण: मंडलायुक्त

प्रयगाराज। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मंडलीय समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गयी। इस अवसर पर मंडल के चारों जिलों में मार्च–2025 तक पिछले वर्ष के सापेक्ष प्रसव की संख्या में गिरावट दर्ज करने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। प्रयागरज के कौड़िहार और फतेहपुर के खागा सीएचसी में सीजेरियन ऑपरेशन कम होने पर अधीक्षक का चेतावनी दी गयी।

पहलगाम के दोषियों को नेस्तानाबूद करे सरकारः प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के विरोध में लगातार प्रदर्शन का दौर जारी है। ऐसे में सामाजिक संस्था प्रयत्न ने जनपद के प्रमुख सामाजिक संगठनों को जोड़कर एकजुटता प्रदर्शित करने का काम करने के साथ ही इस आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रयत्न संस्था के द्वारा दूसरे सामाजिक संगठनों के साथ शहर के मौहल्ला अंबा विहार के गुलशन पार्क में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इसमें मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता चौ. राकेश टिकैत, राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी, पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष आसिफ राही सहित लायंस क्लब लोटस, हयुमैनिटी वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधियों और सभासदों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान सभी ने मिलकर इसके खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए कैंडल मार्च निकाला और आतंकी हमले में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान मीडिया कर्मियों से बातचीत में प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश की जनता सरकार

के साथ खड़ी है, सरकार की ओर सभी की नजर है कि कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ जल्द कार्यवाही की जाये। आज प्रयत्न संस्था के साथ जनपद के अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जुटकर यहां पहलगाम के शहीदों की याद में कैंडल मार्च निकालकर यही संदेश देने का काम किया है कि आतंक के खिलाफ पूरा देश और सर्व समाज एक साथ एक मंच पर खड़ा है और इस बार गंभीर कार्यवाही की जानी चाहिए। कहा कि ऐसा हमला पूरी इंसानियत का कत्ल है। ये लोग किसी भी धर्म के नहीं हो सकते हैं, क्योंकि दुनिया का कोई भी धर्म ऐसे नरसंहार का समर्थन नहीं करता है। ऐसे लोगों को नेस्तानाबूद किया जाना जरूरी है।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस, मनीष चौधरी, विकास बालियान, आसिफ राही, शाहिद आलम सभासद, अमीर आजम खान एडवोकेट, मनेश गुप्ता, पंकज जैन गांधी टेंट हाउस, अन्नू सभासद, इस्लाम एडवोकेट, डॉ. शमीम उल हसन, कलीम त्यागी, गौहर सिद्दीकी, तनवीर अहमद, नायाब सीए, विवेक अरोरा होम्योपैथिक, डॉ. ईशान अग्रवाल आदि मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का आयोजन इस श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रयत्न संस्था के अध्यक्ष डॉ. मुकेश अरोड़ा और महासचिव असद फारूकी द्वारा किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर हुए प्रोग्राम का चीफ गेस्ट फैशन डिजाइनर लवली शर्मा ने किया उद्घाटन

बच्चों, युवक और युवतियों ने शानदार डांस कर सभी अतिथियों को किया मंत्र मुग्ध

मुजफ्फरनगर। दरअसल हम आपको बता दें कि अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर मुज़फ्फरनगर की गांधी कालोनी में गांधी वाटिका के सामने स्थित मैजिक डांस एकेडमी पर हुए कार्यक्रम में चीफ गेस्ट फैशन डिजाइनर लवली शर्मा ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विशिष्ट अतिथि सिमरन सोलंकी, छवि शर्मा, सौरभ भारद्वाज, स्टार न्यूज़ प्लस चौनल के यूपी दिल्ली प्रभारी नसीम कुरैशी रहे। ये कार्यक्रम जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इन्डिया के अध्यक्ष राजीव मोहन गोयल के सानिध्य, डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोरा के संयोजन, बसन्त कुमार गोयल के संचालन में हुआ। कार्यक्रम में बच्चों, युवक युवतियों ने शानदार नृत्य कर अतिथियों

का मन मोह लिया। प्रतिभागियों में परिधि शर्मा, शिवानी देशवाल, यश वत्स, कौशिकी सिंह, तन्मय सिंह, मौलिक वर्मा, कायरा सिंह, भूमि सिंह, यशस्वी मदान, कामाख्या महीवाल, मीताक्षी श्रीवास्तव, गुंजन वर्मा, अंशिका भारती, चौन्सी वाधवा, पूजा वाधवा, दिव्यम गर्ग, केशव गोयल, गर्वित सिंह, आदविका, आराध्या गुनदेव, पियूष, शगुण, रौनक, हिमांशी, नीतिका आदि ने नृत्य की प्रस्तुतियां देकर सबको मन्त्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम आयोजन में राकेश अरोरा, अंजू अरोरा, गायक अनुज वर्मा, गायक महेंद्र रावत, विशा अरोरा का विशेष योगदान रहा। यहां जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन, जिलाध्यक्ष डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष शरद शर्मा, उपाध्यक्ष राजू, रचित गोयल, नीरज, पंकज चौहान, लोकेश, मीडियाकर्मी राजू आदि उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर हुए प्रोग्राम का चीफ गेस्ट फैशन डिजाइनर लवली शर्मा ने किया उद्घाटन

बच्चों, युवक और युवतियों ने शानदार डांस कर सभी अतिथियों को किया मंत्र मुग्ध

मुजफ्फरनगर। दरअसल हम आपको बता दें कि अन्तर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर मुज़फ्फरनगर की गांधी कालोनी में गांधी वाटिका के सामने स्थित मैजिक डांस एकेडमी पर हुए कार्यक्रम में चीफ गेस्ट फैशन डिजाइनर लवली शर्मा ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विशिष्ट अतिथि सिमरन सोलंकी, छवि शर्मा, सौरभ भारद्वाज, स्टार न्यूज़ प्लस चौनल के यूपी दिल्ली प्रभारी नसीम कुरैशी रहे। ये कार्यक्रम जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इन्डिया के अध्यक्ष राजीव मोहन गोयल के सानिध्य, डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोरा के संयोजन, बसन्त कुमार गोयल के संचालन में हुआ। कार्यक्रम में बच्चों, युवक युवतियों ने शानदार नृत्य कर अतिथियों

का मन मोह लिया। प्रतिभागियों में परिधि शर्मा, शिवानी देशवाल, यश वत्स, कौशिकी सिंह, तन्मय सिंह, मौलिक वर्मा, कायरा सिंह, भूमि सिंह, यशस्वी मदान, कामाख्या महीवाल, मीताक्षी श्रीवास्तव, गुंजन वर्मा, अंशिका भारती, चौन्सी वाधवा, पूजा वाधवा, दिव्यम गर्ग, केशव गोयल, गर्वित सिंह, आदविका, आराध्या गुनदेव, पियूष, शगुण, रौनक, हिमांशी, नीतिका आदि ने नृत्य की प्रस्तुतियां देकर सबको मन्त्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम आयोजन में राकेश अरोरा, अंजू अरोरा, गायक अनुज वर्मा, गायक महेंद्र रावत, विशा अरोरा का विशेष योगदान रहा। यहां जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष शिवम जैन, जिलाध्यक्ष डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष शरद शर्मा, उपाध्यक्ष राजू, रचित गोयल, नीरज, पंकज चौहान, लोकेश, मीडियाकर्मी राजू आदि उपस्थित रहे।

मोक्षदा जल धारा के संरक्षण व प्रबंधन हेतु हुई ग्राम सभा की बैठक

बनी कार्ययोजना हरि शंकरी के पौध हुए रोपित

प्रतापगढ़। मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार के लिए नरहरपुर ग्राम पंचायत में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। ग्राम प्रधान शीतला प्रसाद की अध्यक्षता मे हुई इस बैठक में लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की विशेष उपस्थिति में ग्रामवासियों और पंचायत प्रतिनिधियो ने जल धारा के संरक्षण व प्रबन्धन के लिए अपनी कार्ययोजना तय की। वहीं सरकारी जूनियर हाईस्कूल में लोक भारती की प्रतापगढ़ इकाई द्वारा हरिशंकरी पौध का रोपण किया गया। मोक्षदा जल धारा के पुनर्जीवन हेतु आयोजित इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमे जल धारा की खुदाई 5 मीटर चौड़ाई में जरूरी खुदाई करने का निर्णय लिया गया। जल धारा के आसपास तालाब, खेलकूद पार्क और अंत्येस्टी स्थल आदि विकसित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही आंवला सहित अन्य फल पट्टी जल धारा के किनारे व्यक्तिगत और सार्वजनिक रूप से विकसित करने का निर्णय लिया गया। ग्राम प्रधान ने मोक्षदा जल संरक्षण के कार्य को आवश्यक बताते हुए सभी से सहयोग व भागीदारी की अपील की। सभी का स्वागत रोजगार सेवक राम अचल यादव ने किया। बैठक का संचालन सचिव अनिल कुमार के मार्गदर्शन में पंचायत सहायक अच्छे लाल ने किया। इस अवसर पर लोक भारती के जिला संयोजक दिनेश शर्मा ने हरिशंकरी पौध की महत्ता पर चर्चा की। मोक्षदा विकास समिति के संयोजक श्लोक मिश्र, सचिव योगेश तिवारी, शिक्षाविद् राजेंद्र पांडेय, प्रधान कमास संजय यादव, आर एस एस के प्रमुख कार्यकर्ता कार्तिकेय द्विवेदी और अन्य ग्रामवासियों ने सहभागिता की।

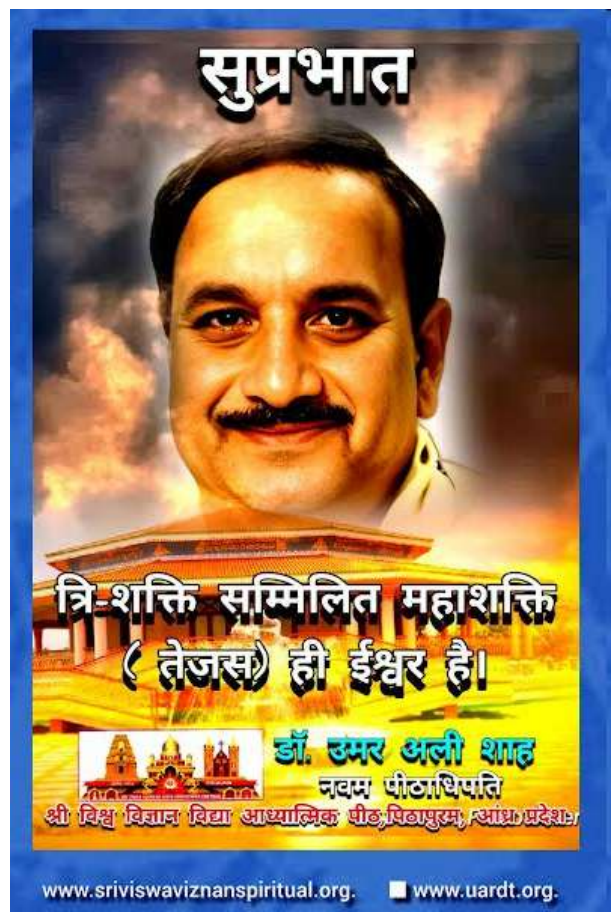

हक़ीक़त और कहानी

(कुण्डलिया)

पानी हो या हो दुआ,इनके हरि–सत्संग।
संकट के हर दौर में, भरे सदा हरि–रंग।
भरे सदा हरि–रंग, हमेशा विपदा हरते।
बुरे ग्रहों के साथ, सदा यह लड़ते रहते।
सुन लो कहें प्रदीप,हक़ीक़त और कहानी।
मिला न जिनको साथ,हुए सब पानी पानी।।

हर गरीब को मत कहो,छोटा और गँवार।
कुछ अमीर से हैं बड़े,कुछ के श्रेष्ठ विचार।
कुछ के श्रेष्ठ विचार,दिशा देते हैं सबको।
कुछ देते उपहार, संत के जैसा जग को।
सुन लो कहें प्रदीप,न रोते यह नसीब को।
शिक्षा का संसार, दिखाते हर गरीब को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बेलखरनाथ धाम के दोनई गांव आज जायेंगे लोकपाल समाज शेखर

मजदूरों की समस्याओं से रूबरू होंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ समाज शेखर 1 मई विश्व मजदूर दिवस पर बेलखरनाथ धाम ब्लाक जायेंगे। ग्राम दोनई ग्राम पंचायत का भ्रमण व निरीक्षण करेंगे। भ्रमण के दौरान लोकपाल मजदूरों की समस्याओं से रूबरू होंगे और पूर्व में आई शिकायत के क्रम में तालाब का निरीक्षण करेंगे। लोकपाल समाज शेखर इस अवसर पर मजदूरों से संवाद कर जमीनी सच्चाई से अवगत होंगे। साथ ही उनकी शिकायतों का समाधान करने का प्रयास करेंगे। लोकपाल शिकायती तालाब के कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण करेंगे। बाबा बेलखरनाथ धाम के खंड विकास अधिकारी और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को सहयोग हेतु पूर्व में दिशा–निर्देश दिया गया है। पंचायत और मनरेगा कर्मियों को भी अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर सहयोग करने को कहा गया है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हिंदू एकता की हुंकार

–राष्ट्रीय परशुराम सेना के संयोजन में भव्य शोभायात्रा में उमड़ा सनातनियों का जनसैलाब

प्रतापगढ़। अक्षय तृतीया पर्व पर राष्ट्रीय परशुराम सेना के संयोजन में बुधवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई । शोभायात्रा का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी आशुतोष त्रिपाठी ने शहर के कंपनी बाग से झंडी दिखाकर रवाना किया । शोभायात्रा कंपनी बाग से शुरू होकर राजापाल चौराहा चौक घंटाघर भंगवा चुंगी बलीपुर होते हुए पंडित मुनीश्वरदत्त उपाध्याय चौराहा हनुमान मंदिर पर संपन्न हुई । शोभायात्रा में रथ घोड़ा डीजे के साथ हजारों की संख्या में भगवान परशुराम के भक्त हाथ ने झंडा फरसा उठाकर जय श्री परशुराम का जयकारा लगाते हुए

भक्तिमय माहौल में उत्साहित नजर आए। राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला भगवान परशुराम के दिव्य स्वरूप में खुली जीप में सवार होकर शोभायात्रा को सुशोभित करते रहे । लोगो ने जगह जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा के साथ पुलिस बल सक्रिय रहा जिससे ट्रैफिक संचालन में कोई अव्यवस्था नहीं हुई । इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक तिवारी एडवोकेट मंडल अध्यक्ष संजय शुक्ला जिलाध्यक्ष अनिल पांडेय संरक्षक आशुतोष त्रिपाठी डॉ नीरज त्रिपाठी जिलाध्यक्ष कांग्रेस राजेश पांडेय हरिकेश पांडेय अविनाश पांडेय अंकित शिवा पांडेय बीनू पांडेय आदित्य मिश्र अच्युतानंद पांडेय अखिलेश मिश्र बच्चा तिवारी शरद तिवारी राजेश चंद दुबे अभिषेक मिश्र प्रधान राजेश शुक्ला फौजी अनुराग त्रिपाठी एडवोकेट आलोक गर्ग पंकज मिश्र कार्तिकेय मिश्र सावन मिश्र विवेक टोनी अमित सिंह धर्मराज सिंह अभिषेक सिंह मुन्ना मिश्र शैलेश मिश्र राजीव मिश्र ओमप्रकाश त्रिपाठी मनीष दुबे अरुण उपाध्याय एडवोकेट विजय मिश्र प्रदीप मिश्र प्रशांत तिवारी अंकित दूबे अभिषेक मिश्र एडवोकेट बंटी सिंह एडवोकेट हरीश शुक्ल एडवोकेट अभिषेक तिवारी अंकित पाठक प्रशांत पांडेय अंशुमान सिंह रोहित मिश्र जुबाए महामंत्री विवेक त्रिपाठी एडवोकेट सहित भारी संख्या में सनातनी शोभायात्रा में शामिल रहे और प्रसाद ग्रहण किए।

सम्पादकीय.....

एकता–शांति का संदेश

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मनरूस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू–कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू–कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा–जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू–कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू–कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म–संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं। निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू–कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में ढाकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं। उन्होंने उन कयासों को खारिज किया कि त्रासदी का उपयोग राजनीतिक लाभ हेतु राज्य का दर्जा पाने के लिये किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक आतंकवाद अपना भयानक रूप दिखाता रहेगा, तब तक जम्मू–कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंक के खिलाफ लड़ाई में कश्मीरियों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों की पूरी तरह से भागीदारी जमीन पर एक स्पष्ट अंतर ला सकती है। हालांकि, बहुत कुछ केंद्र सरकार और विभिन्न राज्यों द्वारा संकटग्रस्त केंद्रशासित प्रदेश को दिए जाने वाले समर्थन पर निर्भर करेगा। निस्संदेह, आतंकवाद के इस विनाशकारी आघात के बाद जम्मू–कश्मीर को संभालने में मदद करना राष्ट्रीय प्राथमिकता बननी चाहिए। निश्चित रूप से जम्मू–कश्मीर विधानसभा से आया यह रचनात्मक संदेश देश की एकता व अखंडता के लिये सुखद ही है। देश में आतंकवाद की इस घटना के बाद जैसे नकारात्मक प्रतिक्रिया देने की कोशिशें की जाती रही है, उसको यह सार्थक जवाब है। जो वक्त की मांग भी थी। घाटी से संदेश आया है कि यहां लोग देश की संवेदना से उसी तरह के सरोकार रखते हैं, जैसा कि अन्य राज्यों के लोग रखते हैं। यह भी कि आतंकवाद किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं होना चाहिए। मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। जिसकी रक्षा करना हरेक नागरिक का दायित्व है।

पाठ्यक्रम से हटाकर इतिहास बदलती सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा लिये गये एक हास्यास्पद फैसले में सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगलों और दिल्ली सल्तनत के अध्याय हटा दिए हैं। भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है। इसी सप्ताह आई नई पाठ्यपुस्तकों में हुए ये परिवर्तन नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और शालेय शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप बताये गये हैं। हालांकि एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार यह किताबों का सिर्फ पहला भाग है। दूसरा भाग जल्दी ही आने की उम्मीद है। वैसे अधिकारी यह साफ नहीं कर पाये कि हटाए गए हिस्से दूसरे भाग में शामिल रहेंगे या नहीं। वैसे कोविड–19 के प्रकोप के बाद अध्ययन सामग्री को कम करने के लिये एनसीईआरटी ने भारतीय इतिहास के मुगल काल तथा दिल्ली सल्तनत से जुड़े अध्यायों को पहले से ही संक्षिप्त कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, लोदी और मुगल राजवंश के विवरण को संक्षिप्त कर दिया गया था। अब इन्हें पूरी तरह से हटा दिया गया है। एक और बड़े बदलाव के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान की किताब समाज का अध्ययन भारत और उसके आगे में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर लिखे गये अध्याय शामिल हुए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को भारतीय लोकाचार से परिचित कराना बतलाया गया है। इसी किताब में भूमि कैसे पवित्र बनती है? शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इसमें इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों की जानकारी दी गयी है। पवित्र भूगोल अध्याय में 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम यात्रा और शक्ति पीठ जैसे स्थानों का विवरण है। इस पाठ में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का एक उद्धरण शामिल है, जिन्होंने भारत को तीर्थस्थलों की भूमि बतलाया है। नयी पुस्तक के अनुसार वर्ण–जाति व्यवस्था ने प्रारम्भ में सामाजिक स्थिरता प्रदान की परन्तु वह बाद में जड़ हो गई। इसके चलते ब्रिटिश शासन के दौरान असमानताएं पैदा हुईं। इसी वर्ष की 14 जनवरी से लेकर 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ पर एक अध्याय का पुस्तक में समावेश किया गया है जिसमें बताया गया है कि आयोजन में 66 करोड़ लोगों ने भाग लिया। वैसे मेले में हुई भगदड़ का जिक्र नहीं है जिसमें अनेक तीर्थयात्री मारे गए थे और कई घायल हुए। नई किताब में मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और अटल सुरंग पर अध्याय हैं जो 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्य हैं। इसमें भारतीय संविधान पर भी एक पाठ है। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक समय था जब लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं हुआ करती थी। गौर से देखा जाये ये परिवर्तन बच्चों को भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किये गये हैं। सम्भव है कि आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से अन्य कक्षाओं में भी ऐसे परिवर्तन देखने को मिलें जो नयी पीढ़ी को एक विशिष्ट तरीके से सोचना सिखायेंगे। एक ओर वह मुस्लिम शासकों के कालखंड को भूल जायेगी तो वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को केवल हिन्दू शासकों के बारे में बतलाकर आधी–अधूरी जानकारी दी जायेगी। साथ ही उन्हें संकीर्णता भी सिखायेगी। जिन मेक इन इंडिया व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में जगह दी गयी है, वे दोनों ही नाकाम साबित हुए हैं। एक ओर तो भारत का मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर वैसा नहीं बढ़ पाया है जैसा कि दावा किया जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ पिछले दशक भर में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई हैं। अपराध सम्बन्धी आंकड़े जारी करने वाली सरकार की ही एजेंसी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का तो यही कहना है। और तो और, भाजपा शासित प्रदेशों में महिलाएं सर्वाधिक असुरक्षित हैं।पाठ्यक्रम में उपरोक्त बदलाव, खासकर उस उम्र के बच्चों की कक्षाओं का यह बतलाता है कि भाजपा सरकार अत्यंत सुनियोजित ढंग से नयी पीढ़ी को मुस्लिमों के प्रति नफरत की अपनी विचार पद्धति में शामिल कर रही है। उल्लेखनीय है कि मुगल और अन्य इस्लामी शासकों के प्रति घृणा करने वाले संघ–भाजपा द्वारा शाखाओं तथा सोशल मीडिया के जरिये जो कुछ फैलाया जाता है उसका परिणाम ही आज देश में बना हुआ विषाक्त वातावरण है। आने वाले समय में भाजपा को कार्यकर्ताओं की खेप बदस्तूर जारी रहे, उसके लिये ये परिवर्तन किये जा रहे हैं। यदि भावी पीढ़ी भारत को मुस्लिम शासकों के योगदान से अनभिज्ञ होकर केवल भाजपा की दी शिक्षा पर अमल करेगी तो ध्रुवीकरण का खेल उसे जारी रखने में मदद मिलेगी। भाजपा के इन 11 वर्षों के शासनकाल की सारी नाकामियां ढंककर कुछ कार्यक्रमों का महिमा मंडन उन्हें पार्टी व सरकार के प्रशस्ति गान के योग्य बनायेगा। इस सन्दर्भ में जवाहरलाल नेहरू का यह कहना बेहद प्रासंगिक हो जाता है जो कहते थे कि इतिहास अपने हिसाब से आगे बढ़ता है फिर वह किसी को पसंद आये या न आये। बेशक, देश के इतिहास में तत्कालीन परिस्थितियों के अनुसार जो भी घटनाक्रम हुए वे वास्तविकताएं हैं जो भाजपा को नापसंद होने के बावजूद पलटाये नहीं जा सकते। पाठ्यक्रम से कुछ अंश हटा देने के बावजूद वे यथार्थ के रूप में मौजूद रहेंगे। अलबत्ता भारतीय उप महाद्वीप के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कालखंड को पढ़े बिना जो विद्यार्थी शिक्षित होंगे उनका मानसिक स्तर शोचनीय होगा।

व्यापार की बदहाली और भारत

अरुण कुमार डनायक

कभी राजनीति को समाजसेवा का माध्यम माना जाता था। पिछली सदी में महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, नेल्सन मंडेला, अब्राहम लिंकन जैसी विभूतियों ने नैतिक मूल्यों पर आधारित राजनीति के जरिये सामाजिक बदलाव का कार्य किया, लेकिन अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के साथ ही राजनीति की दिशा में अप्रत्याशित परिवर्तन देखने को मिला। जनकल्याण और मानवता की सेवा का माध्यम मानी जाने वाली राजनीति, अब व्यवसायिक हितों को साधने का उपकरण बनती दिखने लगी है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तुरंत बाद कई देशों के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। जॉर्डन, इजराइल, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत और यूक्रेन के राष्ट्राध्यक्ष उनसे मिलने श्व्हाइट हाउसश पहुंचे। इन बैठकों का केंद्र बिंदु ट्रम्प का प्रसिद्ध नारा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और उनकी टैरिफ नीतियों की सख्त धमकियां रहीं। अधिकांश नेताओं ने ट्रम्प की नीतियों पर शांतिपूर्वक संवाद किया, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बातचीत ने अप्रत्याशित रूप ले लिया। ट्रम्प, उनके उपराष्ट्रपति वेंस और जेलेंस्की के बीच जिस तरह की तीखी बहस हुई, वैसी हालिया इतिहास में दुर्लभ है। इस तनावपूर्ण वार्ता ने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी, बल्कि वैश्विक राजनीति में भी नए समीकरणों के संकेत दिए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दशकों तक एक–दूसरे के कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस और अमेरिका के बीच नजदीकियां बढ़ती दिख रही हैं। वहीं, अनुमान के विपरीत, राष्ट्रपति ट्रम्प का चीन के प्रति रवैया भी उतना सख्त नजर नहीं आ रहा। ग्रेट ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के सदस्य देश अमेरिका से धीरे–धीरे दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। गाजा पट्टी से फिलिस्तीनियों को हटाए जाने की आशंका से ग्रस्त मध्य–पूर्व के देशों में भी ट्रम्प प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से न केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों, बल्कि वैश्विक व्यापार पर भी व्यापक प्रभाव पड सकता है। ऐसे में दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भारत के लिए भी यह परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपनी भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक विविधता और आर्थिक क्षमता के कारण भारत हमेशा से वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। बदलते वैश्विक समीकरण भारत के कूटनीतिक और आर्थिक हितों को सीधे प्रभावित करेंगे, जिससे नई नीतियों और रणनीतियों की आवश्यकता बढ़ जाएगी। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की नीति संतुलन, बहुपक्षीय सहयोग और आत्मनिर्भरता पर आधारित रही है। वैश्विक व्यापार के संदर्भ में भारत अपनी उपस्थिति लगातार मजबूत कर रहा है, जहां निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है और आयात भी रणनीतिक आवश्यकताओं के अनुसार जारी है। हालांकि, व्यापार घाटे में असंतुलन एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है। ऐसे में, अमेरिका के द्वारा प्रस्तावित पारस्परिक टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है, जिससे व्यापार संतुलन और आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ सकता है। इससे निपटने के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते, द्विपक्षीय निवेश संधि और अलग सामाजिक सुरक्षा समझौते को लेकर व्यापार वार्ताएं दोबारा शुरू की हैं। जहां ब्रिटेन ने भारत से कार, व्हिस्की और अन्य वस्तुओं पर शुल्क में कमी का अनुरोध किया है, वहीं भारत ने ब्रिटेन में अपने सेवा क्षेत्र के पेशेवरों के लिए अधिक अवसर और आसान बाजार पहुंच की मांग रखी है। प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर के बीच बातचीत ने दोनों देशों के मध्य व्यापार, ऊर्जा और निवेश में आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। कतर, इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला मध्यस्थ और प्रमुख खिलाड़ी है। भारत में प्राकृतिक गैस की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है, जिससे आने वाले पांच वर्षों में भारत के श्तरलीकृत प्राकृतिक गैसश (एलएनजी) आयात में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों पक्ष ने व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर पुनः वार्ता शुरू की है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के नेतृत्व में कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा, भारत और यूरोप के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक नए महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत को दर्शाती है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और निवेश, तकनीकी सहयोग, हरित ऊर्जा समाधान, जन–से–जन संपर्क, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में वार्ता जारी है। यूरोपीय संघ में बढ़ता भारतीय प्रवासी समुदाय बड़ी संख्या में छात्रों, शोधकर्ताओं और कुशल पेशेवरों को शामिल करता है, जो दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूत बना रहा है। व्यापारिक पहलों के साथ–साथ, भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान देना होगा। भारत और चीन के संबंध ऐतिहासिक रूप से जटिल रहे हैं। व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच व्यापक साझेदारी है, लेकिन सीमा विवाद और भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के चलते संबंधों में अक्सर तनाव भी देखने को मिलता है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह इस विवाद का समाधान कूटनीतिक संवाद और समझदारी भरी रणनीति के माध्यम से निकाले, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक सहयोग को मजबूती मिल सके। भारत के कुशल, लेकिन बेरोजगार पेशेवरों के लिए श्यूरोपीय संघश में रोजगार के नए अवसर खुल सकते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि भारत अपने श्कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमोंश की गुणवत्ता में सुधार करे। साथ ही, भारतीय युवाओं को अंग्रेजी के अलावा एक या दो यूरोपीय भाषाएं सिखाने के लिए विशेष संस्थान स्थापित किए जाएं, जिससे उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़े। भारत को यूरोपीय संघ के साथ कार्बन सीमा समायोजन तंत्र पर प्रभावी वार्ता कर कुछ रियायतें प्राप्त करनी होंगी। भारत इस्पात और एल्युमिनियम जैसे उत्पादों का प्रमुख निर्यातक है, लेकिन इन पर कार्बन टैक्स लगाए जाने से भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारतीय बाजार में कारों पर शुल्क रियायत की मांग कर रहा है। यह न केवल भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं के लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है, बल्कि भारतीय सड़कों पर यूरोपीय कारों की संख्या में भी वृद्धि होगी, जिससे यातायात और सुरक्षा संबंधी नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। भारत को इस मांग को अत्यंत सावधानीपूर्वक और रणनीतिक रूप से संभालना होगा। भारत जी–20, शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे वैश्विक संगठनों में प्रभावी भागीदार है। अब समय आ गया है कि क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने भारत दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने की दिशा में नेतृत्व करे। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच, भारत को अपनी कूटनीतिक और आर्थिक नीतियों में संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा, ताकि वह अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में एक मजबूत, आत्मनिर्भर और प्रभावी भूमिका निभा सके।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिकी हैं सबकी निगाहें

सुशील कुट्टी

हमेशा तैयार, हमेशा सतर्क, एडीजीपीआई–भारतीय सेना ने सोशल मीडिया एक्स पर यह दावा पोस्ट किया। पाकिस्तान और भारत ने एक दूसरे से निपटने की घोषणा कर दी है और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कहते हैं कि युद्ध की स्थिति से निपटना भारत और पाकिस्तान पर निर्भर है, वे करीब हैं और कश्मीर 1500 वर्षों से उनके बीच है! भूल जाइए कि पाकिस्तान 1947 में बना था! पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कहते हैं कि इस्लामाबाद युद्ध नहीं चाहता, जबकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआती श्पृथ्वी के छोर तक पीछा करनेश की धमकी के बाद सभी को उलझन में डाल दिया है। भारतीय इसे हिंदी में ऐन मौके पर धोखा कहते हैं, जो पिच के बजाय डिच के लिए एक व्यंजना है। युद्ध के लिए मोदी की पिच पुरानी, पुरानी, पुरानी हो गई है... इतना ही नहीं, पाकिस्तान श्तटस्थ जांचश की मांग कर रहा है, जो पाकिस्तान के इस आरोप के साथ पूरी तरह मेल खाता है कि पहलगाम भारत का झूठा अभियान था! मरियम नवाज ऐसा कहती हैं। बिलावल भुट्टो और फवाद चौधरी भी ऐसा ही कहते हैं। शायद जेल की कोठरी में बंद इमरान खान भी ऐसा ही कहते हैं! सिंधु नदी के प्रवाह पर खतरे की इस घड़ी में पूरा पाकिस्तान एकजुट है, गंगा–जमुना तहजीब को भूल जाइए जो जिन्ना–मुनीर दो–राष्ट्र सिद्धांत, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के अस्तित्व के कारण से मेल नहीं खाती! रिपोर्ट कहती हैं कि जनरल मुनीर ने अपने परिवार को एक चार्टर्ड विमान में बिठाया और विमान रवाना हो गया! क्या पाकिस्तान, जो बहादुरी का देश है, ने पहले पलक झपकाई है? प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एबटाबाद में एक सैन्य अकादमी में कहा, श्पाकिस्तान किसी भी तटस्थ, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच में भाग लेने के लिए तैयार है।श यह वही इलाका है जहां ओसामा बिन लादेन ने अपने निर्माता से मुलाकात की थी। ओसामा को अमेरिकी सील्स द्वारा समुद्र में एक सभ्य तरीके से दफनाया गया था– जो पाकिस्तान में घुस आये और बिन लादेन को पाकिस्तानी नाक के नीचे से छीन लिया– और अब शहबाज शरीफ कहते हैं कि पाकिस्तानी सेना किसी भी दुस्साहस के खिलाफ देश की संप्रभुता और इसकी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। शहबाज ने फरवरी 2019 में भारत के लापरवाह आक्रमण के लिए पाकिस्तान की दृढ़ प्रतिक्रिया की ओर इशारा किया और पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय निरीक्षकों के एक समूह द्वारा किसी भी जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है। लेकिन इससे पहले कि कोई अंतरराष्ट्रीय निरीक्षक इस आमंत्रण पर विचार कर पाता, पहलगाम की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फोर्स ने यह कहते हुए अपना कदम पीछे खींच लिया कि वह दोषी नहीं है और उसकी वेबसाइट को हाईजैक कर लिया गया है! मौलिक प्रश्न यह है कि क्या युद्ध होगा और युद्ध को होने से कौन रोक रहा था? पहलगाम के बैसरन में आतंकी हमला अब लगभग एक सप्ताह पुराना हो चुका है और पाकिस्तान की जीवनरेखा सिंधु में बहुत कम पानी बह पाया है! सिंधु जल संधि 1960 से चली आ रही है और भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी युद्ध से कोई फर्क नहीं पड़ा। आज, नई दिल्ली आगे बढ़ गयी है और उसने संधि के साथ–साथ अन्य उपाय लागू किए हैं, जो पाकिस्तान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पाकिस्तान में मीडिया ने प्रधानमंत्री मोदी को गुजरात का कसाई कहना शुरू कर दिया है! फिर भी युद्ध का कोई संकेत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी किस बात का इंतजार कर रहे हैं और उनकी रणनीति क्या होगी? पाकिस्तानी रक्षा विशेषज्ञ तरह–तरह की बकवास फैला रहे हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि भारत ने अपने दूसरे हमले के परमाणु सिद्धांत में संशोधन किया है। दूसरे शब्दों में, अब कोई गांधीगिरी नहीं होगी और यह सब मुन्ना भाई, एमबीबीएस की बदौलत है! अटारी सीमा पर गंभीर स्थिति है। पाकिस्तानी उच्चायोग उदास और वीरान है। यह सब मायावी युद्ध की तैयारी में है। भारत में पकड़े गये पाकिस्तानी रोते हुए चले गये हैं, कुछ भारत के अत्याचार से बचना चाहते हैं और अन्य दिल बचाने के लिए यहीं रहना चाहते हैं लेकिन भारतीय गृह मंत्री अमित शाह हमेशा चांद पर दूर के आदमी की तरह दिखते हैं। मई 1, 2025 अटारी सीमा के माध्यम से प्रवेश करने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत छोड़ने का आखिरी दिन है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान ने भी अटारी के अपने हिस्से में बदला लिया। आखिरकार, जिन्ना–मुनीर के बावजूद, हम दो राष्ट्र हैं लेकिन एक दिल है और भारत–पाकिस्तान युद्ध बहुत पहले भी हो चुके हैं। कारगिल युद्ध एक दूर की याद बन चुका है। पाकिस्तान युद्ध को टालने के लिए भारत के घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों में उलझे होने का हवाला क्यों दे रहा है? पाकिस्तान का यह कहना कि नई दिल्ली बिना किसी सुबूत और जांच के इस्लामाबाद को दंडित करना चाहती है कितना कायराना लगता है! पाकिस्तान युद्ध से बचने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है और प्रधानमंत्री मोदी अपनी धमकी पर कायम हैं। हिंदुओं को पैंट नीचे करने के लिए कहना माफ नहीं किया जा सकता। ख्वाजा आसिफ को यह कहकर नहीं छोड़ा जाना चाहिए कि हम नहीं चाहते कि यह युद्ध भड़के, क्योंकि इस युद्ध के भड़कने से इस क्षेत्र में तबाही मच सकती है। ख्वाजा आसिफ ने यह बात न्यूयॉर्क टाइम्स से कही और न्यूयॉर्क टाइम्स ने मोदी को शुरू से ही पसंद नहीं किया। मोदी ने चुनावी बिहार की धरती से आतंकवादियों का धरती के छोर तक पीछा करने का वायदा किया। मैं पूरी दुनिया से कहता हूं। भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगायेगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उनका धरती के छोर तक पीछा करेंगे। आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को दंडित किये बिना नहीं छोड़ा जायेगा, मोदी ने कहा, और अमेरिका की शीर्ष जासूस तुलसी गबार्ड भी हिंदू हैं। मोदी अपना समय क्यों ले रहे हैं? मोदी ने कहा, इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी और पहलगाम ने वक्फ लड़ाई पर पूर्ण विराम लगा दिया और असदुद्दीन ओवैसी जैसे मुस्लिम राजनेता चुप हो गये। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी चुप हो गया है। क्या सुप्रीम कोर्ट को काबू में कर लिया गया है? सब कुछ इस पर आ गया है कि रुकिए, युद्ध कभी भी छिड़ सकता है।

कियारा आडवाणी

प्रेग्नेंसी में वेकेशन पर निकली, पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ छुट्टियों की तस्वीरें साझा कीं

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा इस समय सुर्खियाँ बटोर रहे हैं क्योंकि यह जोड़ा अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहा है। उनके सार्वजनिक रूप से बाहर निकलने के बारे में बढ़ती चर्चा के बीच, कियारा की अपने बेबीमून से नवीनतम इंस्टाग्राम पोस्ट ऑनलाइन प्रशंसकों के लिए एक आकर्षण बन गई है। 29 अप्रैल को, कियारा ने अपने पति, अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी हाल ही की छुट्टियों के कुछ मनमोहक पलों को साझा किया। उन्होंने पोस्ट को बिना किसी कैप्शन के रखा, लेकिन जिस अनोखे तरीके से उन्होंने अपने प्रवास के दौरान स्वागत कार्ड में से एक को छुपाया, उसने ऑनलाइन काफी चर्चा बटोरी।

कियारा आडवाणी ने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा घ्के साथ छुट्टियों की तस्वीरें शेयर कीं

कबीर सिंह की अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने आठ तस्वीरों के साथ एक कैरोसेल पोस्ट पोस्ट किया। पहली तस्वीर में, कियारा को स्वेटर बनियान में एक आउटडोर कैफे में बैठे देखा जा सकता है। दूसरी स्लाइड में फूलदान में ताजे फूलों के गुच्छे की तस्वीर दिखाई गई है। तीसरी तस्वीर में एक पेड़ पर बैठे कोआला की तस्वीर है, उसके बाद चौथी स्लाइड में एक पिज़्ज़ा की तस्वीर है। होने वाली माँ कियारा ने अपनी एक सेल्फी भी शेयर की, उसके बाद अपनी और सिद्धार्थ की एक तस्वीर शेयर की। कैरोसेल पोस्ट में कांच के डिब्बे में रखे मैकरॉन और स्ट्रॉबेरी और जामुन दिखाने वाली प्लेट की तस्वीरें भी शामिल हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट को पोस्ट किए जाने के बाद से अब तक हज़ारों लाइक, कमेंट और शेयर मिल चुके हैं। प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन को दिल को छू लेने वाली टिप्पणियों से भर दिया है। एक यूजर ने लिखा, श्प्यारी माँ कियारा की प्रेग्नेंसी ग्लोश साथ ही स्माइली और पिंक हार्ट इमोजी भी। करण जौहर और हुमा कुरैशी जैसी बॉलीवुड हस्तियों ने भी कियारा की पोस्ट पर टिप्पणी

> कियारा ने अपने पति, अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी हाल ही की छुट्टियों के कुछ मनमोहक पलों को साझा किया। उन्होंने पोस्ट को बिना किसी कैप्शन के रखा, लेकिन जिस अनोखे तरीके से उन्होंने अपने प्रवास के दौरान स्वागत कार्ड में से एक को छुपाया, उसने ऑनलाइन काफी चर्चा बटोरी।

की। फिल्म निर्माता करण जौहर ने लिखा, श्सुंदर जोड़ीश और लाल दिल वाली इमोजी। जबकि गैंग्स ऑफ वासेपुर की अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने टिप्पणी की, श्आपके कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएंश, साथ ही एक विंक्ड फेस इमोटिकॉन और एक लाल दिल वाली इमोजी भी। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर करके घोषणा की कि वे 28 फरवरी, 2025 को अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। कियारा आडवाणी को आखिरी बार एस शंकर की गेम चेंजर में राम चरण और संकल्प बनर्जी के साथ मुख्य भूमिकाओं में देखा गया था। 33 वर्षीय अभिनेता अगली बार अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित वॉर 2 में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

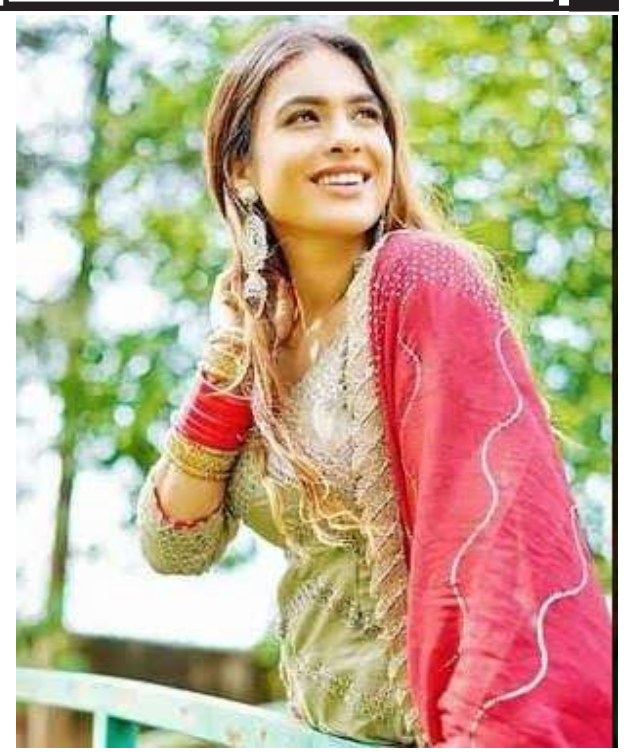

नौकरानी बनी चोरनी! नेहा मलिक के घर से 34 लाख के गहने चोरी, नौकरानी गिरफ्तार

टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस नेहा मलिक के घर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। यह घटना मुंबई के अंधेरी इलाके की है, जहां नेहा मलिक का घर स्थित है। घर से करीब 34 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए हैं। इस चोरी को अंजाम देने वाली कोई और नहीं बल्कि घर की ही नौकरानी शेनाज शेख निकली, जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की जानकारी सबसे पहले नेहा की मां मंजू मलिक को हुई, जिन्होंने मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके बेडरूम में लकड़ी की एक दराज में गहने रखे हुए थे। यह दराज अक्सर खुला ही रहता था और वहीं नौकरानी शेनाज की मौजूदगी में गहने रखे भी जाते थे। जब मंजू मलिक ने गहनों की जांच की तो उन्हें सब कुछ गायब मिला। पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, घटना वाले दिन सुबह करीब 7.30 बजे शेनाज शेख रोज की तरह सफाई करने घर आई थी। उसी दिन उसने मंजू मलिक से 9000 रुपये एडवांस भी लिए। सफाई का काम खत्म करने के बाद मंजू गुरुद्वारे चली गईं। इसके बाद अगले दिन शेनाज काम पर नहीं आई और उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। शक होने पर मंजू मलिक ने जब दराज को चेक किया तो गहने गायब पाए। उन्होंने तुरंत अपनी बेटी नेहा को जानकारी दी और फिर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद पाया कि शेनाज अंधेरी इलाके में ही रहती है। गहन छानबीन के बाद पुलिस ने उसे अंधेरी के जेबी नगर से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही चोरी किए गए गहने भी बरामद कर लिए गए हैं।

6 महीने बाद जेल से रिहा हुई बिग बॉस 7 फेम इस एक्टर की पत्नी, ड्रग्स केस में हुई थी गिरफ्तार

बिग बॉस 7 फेम एक्टर एजाज खान और उनकी पत्नी फॉलन गुलीवाला के लिए खुशी का पल आया है। ड्रग्स मामले में 6 महीने पहले गिरफ्तार हुईं फॉलन गुलीवाला आखिरकार जेल से रिहा हो गई हैं। उनकी रिहाई के बाद का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एजाज खान और उनका परिवार फॉलन को देखकर काफी इमोशनल नजर आ रहे हैं। दरअसल, फॉलन गुलीवाला को पुलिस ने उनके घर पर छापेमारी के दौरान ड्रग्स बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्होंने मुंबई की भायखला जेल में 6 महीने बिताए। जेल से बाहर आने के बाद एजाज खान ने अपनी पत्नी का बेहद प्यार से स्वागत किया। वह अपनी पत्नी को लेने के लिए फूलों का गुलदस्ता लेकर गए थे। एजाज ने खुद इस भावुक पल का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि एजाज नंगे पांव चल रही अपनी पत्नी को अपने हाथों से जूती निकालकर पहनाते हैं। इसके बाद वह अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर चलते हैं। वीडियो में एक और भावुक दृश्य देखने को मिला, जब फॉलन गुलीवाला ने अपने ससुर को देखा और तुरंत उन्हें गले लगा लिया। इसके बाद फॉलन ने अपने बेटे और परिवार के अन्य सदस्यों को भी बड़े प्यार से गले लगाया और इस दौरान वह काफी भावुक हो गईं। इस इमोशनल मुलाकात के बाद एजाज खान अपनी पत्नी को गाड़ी तक छोड़कर आते हैं और फिर उनके साथ घर के लिए रवाना हो जाते हैं। इस दौरान दोनों ने मीडिया के सवालों के भी जवाब दिए। इस वीडियो को शेयर करते हुए एजाज खान ने कैप्शन में लिखा– तमाम तूफानों के बाद आज एक नया चौप्टर शुरू हो रहा है। वेलकम बैक, माई लव। एक साथ मजबूत हैं, हमेशा। एजाज खान की पत्नी के जेल से बाहर आने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोग एजाज खान और उनकी पत्नी को बधाई दे रहे हैं, तो कई उनका स्वागत करते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर खुशी का माहौल है और फैंस इस जोड़े के लिए दुआएं मांग रहे हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पहलगाम आतंकी हमले को 'शर्मनाक' बताया, भारत की एकता पर कहा– 'सब एक साथ खड़े हैं'

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद अपनी गहरी पीड़ा और गुस्से का इजहार किया है। एएनआई से बात करते हुए नवाजुद्दीन ने इस घटना को ष्शर्मनाकष बताते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले।

पहलगाम आतंकी हमले पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी

प्रशंसित अभिनेता ने इस हमले को ष्शर्मनाकष बताते हुए गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, ष्जो कुछ भी हुआ वह बेहद गलत है... यह वास्तव में शर्मनाक है, बहुत दुख और गुस्सा है। मुझे यकीन है कि हमारी सरकार इसे गंभीरता से ले रही है और यह सुनिश्चित करेगी कि इस भयानक कृत्य के पीछे जो लोग हैं उन्हें सजा मिले।

पर्यटन पर बहुत असर पड़ा

नवाजुद्दीन, जिन्होंने अक्सर कश्मीर और उसके लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की है, ने बताया कि कैसे इस त्रासदी ने न केवल पर्यटकों को बल्कि स्थानीय समुदाय को भी बहुत दुख पहुँचाया है। उन्होंने स्वीकार किया, पर्यटन को निश्चित रूप से बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ष्लेकिन वित्तीय नुकसान से ज़्यादा मुझे स्थानीय लोगों में गहरा गुस्सा देखने को मिला। कश्मीरी आगंतुकों को परिवार की तरह मानते हैं। लोगों का स्वागत करने का उनका तरीका किसी भी मौद्रिक मूल्य से परे है। जब भी कोई कश्मीर जाता है, तो वे वहां के लोगों की गर्मजोशी और प्यार की प्रशंसा करते हुए वापस आते हैं, और यह सही भी है।

पहलगाम हमसे से कश्मीर के लोग परेशान हैं

इस घटना के बाद, कश्मीर के लोग परेशान हैं, वे गुस्से में हैं, पूछ रहे हैं कि उनकी धरती पर ऐसा कैसे हो सकता है (अनुवादित) ।ष अभिनेता ने इस घटना के बारे में बात की कि देश के लोगों पर क्या असर हुआ है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले ने हमारे देशवासियों में साझा दुख और पीड़ा की भावना पैदा की है, और हमें अपनी एकता का सम्मान करने के लिए इसे बनाए रखना चाहिए। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ष्सबसे अच्छी बात यह है कि इस घटना के बाद पूरा देश एकजुट हो गया है। चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई, यह एक दुखद घटना है, लेकिन हम सभी एकजुट हैं। सिद्दीकी ने राष्ट्र की भावनाओं को दोहराया जो वर्तमान में शोक मना रहा है और 22 अप्रैल को कुछ आतंकवादियों द्वारा पहलगाम के लोकप्रिय बैसरन घास के मैदान में पर्यटकों पर खुली गोलीबारी में 26 लोगों की जान जाने के लिए न्याय की मांग कर रहा है।

बादशाह के नए गाने पर छिड़ा विवाद, ईसाई समुदाय ने रैपर पर दर्ज करवाई एफआईआर

फेमस रैपर बादशाह इन दिनों अपने नए गाने 'टमसअमज थ्सवू' को लेकर विवादों में घिर गए हैं। इस गाने के कुछ हिस्सों को लेकर ईसाई समुदाय में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। इतना ही नहीं, पंजाब क्रिश्चियन मूवमेंट की ओर से रैपर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई गई है और गाने को सोशल मीडिया से हटाने की मांग की जा रही है। बादशाह का नया गाना 'टमसअमज थ्सवू' हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने के बोलों में एक पंक्ति है, घर लगे चर्च और हाथ में है पासपोर्ट... ईसाई संगठनों का आरोप है कि इस गाने में पवित्र बाइबिल और चर्च का उल्लेख अश्लील और अपमानजनक शब्दों के साथ किया गया है, जिससे समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

पंजाब क्रिश्चियन मूवमेंट के प्रदेश अध्यक्ष पास्टर गौरव मसीह गिल ने बताया कि उन्हें उनके एक दोस्त का फोन आया, जिसने गाने के बारे में जानकारी दी। गाने को सुनने के बाद पास्टर गौरव ने पाया कि इसमें बाइबिल और चर्च को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि गाने के शब्दों से यह संदेश जाता है कि चर्च कोई गंभीर या पवित्र स्थान नहीं, बल्कि कोई डरावनी या बोझिल जगह है। पास्टर गौरव मसीह ने गाने की कुछ पंक्तियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसमें बाइबिल पढ़ने और घर में बैठे बोर होने जैसी बातें कही गई हैं, जो दर्शाती हैं कि गीत में पवित्र धर्मग्रंथ और चर्च को नकारात्मक तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने इसे अश्लीलता से भरा हुआ गाना बताया।मसीही समुदाय ने बादशाह और उनके साथियों के खिलाफ ध ार्मिक भावनाओं को आहत करने और बेअदबी के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। साथ ही, उन्होंने पुलिस से मांग की है कि यह गाना यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से तुरंत हटाया जाए। समुदाय की ओर से यह भी कहा गया कि इस प्रकार की सामग्री से धार्मिक सहिष्णुता को ठेस पहुंचती है और इससे सामाजिक माहौल भी बिगड़ सकता है।

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर – 1 चम्मच सूखा

जीरा पाउडर – 1 चम्मच भुना हुआ

पानी – 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी–जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉसअगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

अगर नहीं छोड़ी ये 4 चीजें, तो शरीर में खुल जाएगी कोलेस्ट्रॉल की फैक्ट्री!

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी खानपान की वजह से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ता जा रहा है। जब यह लेवल जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो दिल की बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और ट्रिपल वेसल डिजीज जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

इसलिए जरूरी है कि हम अपनी डाइट में कुछ खास चीजों से दूरी बनाएं: खासकर वो फूड्स जिनमें ट्रांस फैट बहुत ज्यादा होता है। ट्रांस फैट शरीर के लिए सबसे खतरनाक फैट माना जाता है जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ाता है और धमनियों को बंद कर सकता है।आइए जानते हैं 4 ऐसी चीजों के बारे में जिन्हें खाने से कोलेस्ट्रॉल तेजी से बढ़ सकता है।

बिस्किट

बहुत से लोगों को लगता है कि बिस्किट खाने से कुछ नुकसान नहीं होता, लेकिन ये सच नहीं है। खासतौर से मीठे और मक्खन वाले बिस्किट में ट्रांस फैट और सेचुरेटेड फैट पाया जाता है जो दिल की सेहत के लिए हानिकारक होता है। अगर आप रोज बिस्किट खाते हैं, तो सावधान हो जाइए!

फ्रोजेन फूड

टेक्नोलॉजी ने भले ही खाना स्टोर करने के तरीके आसान बना दिए हों, लेकिन फ्रोजेन फूड आपकी सेहत का दुश्मन बन सकता है। इन पैकेज्ड फूड्स में अक्सर ट्रांस फैट छिपा होता है। फ्रोजेन फूड खरीदते समय उसके पैक पर दिए गए न्यूट्रिशन लेबल को जरूर पढ़ें।

केक

केक खाना तो सभी को पसंद होता है, लेकिन ध्यान दें कृ ज्यादातर पैक्ड केक के पैकेट पर लिखा होता है ष्मतव ज्तंदे थ्ंजष्। असल में, इसका मतलब होता है कि उसमें 0.5 ग्राम तक ट्रांस फैट हो सकता है। रोजाना थोड़ा–थोड़ा करके ये फैट आपके शरीर में जमा हो जाता है और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाता है।

फ्रेंच फ्राइज

फ्रेंच फ्राइज बच्चों से लेकर बड़ों तक सबका पसंदीदा स्नैक है। लेकिन इसे तलने के लिए अक्सर हाइड्रोजनेटेड ऑयल का इस्तेमाल होता है, जिसमें ट्रांस फैट बहुत अधिक होता है। इसका ज्यादा सेवन कोलेस्ट्रॉल को तेजी से बढ़ाता है और दिल पर बुरा असर डालता है।

क्या करें बचाव के लिए?

घर का बना ताजा और संतुलित खाना खाएं

ट्रांस फैट और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं

फल, सब्जियां, ओमेगा–3 फैटी एसिड और फाइबर युक्त आहार लें

नियमित व्यायाम करें और वजन को कंट्रोल में रखें

अगर आप अपने दिल की सेहत को लंबे समय तक बनाए रखना चाहते हैं, तो इन 4 अनहेल्दी चीजों से दूरी बनाना बेहद जरूरी है।

क्या मुंह के छाले बन सकते हैं कैंसर का कारण ?

मुंह के छाले एक आम समस्या हैं, जिन्हें आमतौर पर तनाव, पोषण की कमी या गले में इन्फेक्शन जैसे कारणों से जाना जाता है। हालांकि, क्या ये छाले कैंसर का कारण बन सकते हैं? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है। हालांकि, मुंह के छाले आमतौर पर कैंसर का कारण नहीं होते, लेकिन अगर ये लंबे समय तक ठीक न हों और बढ़ते जाएं, तो ये मुंह के कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। आइए, जानते हैं इसके बारे में और अधिक।

मुंह के छालेः सामान्य या खतरनाक?

मुंह में होने वाले छाले तनाव, पोषण की कमी, गले में इंफेक्शन, या अन्य कारणों से हो सकते हैं। ये आमतौर पर कुछ हफ्तों में खुद ही ठीक हो जाते हैं। लेकिन अगर यह 3 हफ्तों से ज्यादा समय तक ठीक न हो और दर्द बढ़ जाए, तो डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है।

कब दिखाना चाहिए डॉक्टर को?

यदि आपके मुंह के छाले 3 हफ्तों में ठीक नहीं होते, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इसके अलावा, अगर छालों में से खून बहने लगे, या छाले के आस–पास लाल या सफेद धब्बे नजर आए, तो यह ओरल कैंसर का संकेत हो सकता है। साथ ही, यदि गर्दन में गांठ महसूस हो, तो यह भी एक गंभीर स्थिति हो सकती है, जिसे डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

मुंह के छाले और मुंह के कैंसर में अंतर

मुंह के छाले दर्दनाक घाव होते हैं जो आमतौर पर जीभ, गालों, मसूड़ों या होंठों के अंदर होते हैं। ये लाल रंग के होते हैं और इनके बीच सफेद, पीला या भूरा रंग दिख सकता है। वहीं, मुंह का कैंसर इससे अलग होता है और यह मुंह के अंदर की कोशिकाओं में होता है, जैसे होंठ, जीभ, गाल या गले में।

मुंह के छाले के कारणः मुंह में छाले होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वायरल इंफेक्शन, बैक्टीरिया, हार्मोनल बदलाव, पीरियड्स की समस्या, या मुंह का ठीक से साफ ना करना। इन कारणों से बचने की कोशिश करें।

ओरल कैंसर के लक्षण

ओरल कैंसर के प्रमुख कारण हैं तंबाकू और शराब का सेवन, ज्यादा धूप में रहना, और मुंह की सही सफाई न करना। यदि किसी व्यक्ति को बार–बार मुंह में छाले होते हैं जो ठीक नहीं होते, तो ओरल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके लक्षणों में मुंह में लाल या सफेद धब्बे, बोलने या निगलने में परेशानी, आवाज का बैठना, और मुंह से खून आना शामिल हो सकते हैं।

मुंह के छाले आमतौर पर खतरनाक नहीं होते, लेकिन यदि यह समय से ठीक न हो, तो इसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें। ओरल कैंसर के लक्षणों से सावध ाान रहें और समय रहते इलाज कराएं।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (क्ेंउ थ्ंससे), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में दाशोंग का अर्थ होता है ष्पानी का गिरनाष्। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्यः जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए छभ–33 (अब छभ–18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर) : इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : निःशुल्क।

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

संक्षिप्त

अक्षय तृतीया सोने की कीमत में आई गिरावट, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना खरीदने के लिए देने होंगे इतने रुपये

देश भर में 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। सोना खरीदने से इसमें लगातार वृद्धि होती रहती है। अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने को शुभ मानने के कारण सोने की कीमत में भी बदलाव हुआ है। कुछ दिन पहले ही सोने की कीमत एक लाख रुपये पार हो गई थी। राहत की बात है कि अक्षय तृतीया पर सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। उच्चतम स्तर से ये काफी नीचे दाम पर आ गया है। सोना खरीदने की प्लान करने वालों के लिए जरुरी है कि सोना खरीदने से पहले वो इसकी ताजा कीमत देखें। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत तेज हो गई थी। जिसके पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वॉर कारण था। सोने की कीमत में तेजी ने पुराने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। अमेरिका ने जहां टैरिफ में राहत देने के संकेत दिए है इसका असर सोने की कीमत पर भी हुआ है। सोना अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सस्ता हो गया है। सोना 3309 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एक औंस सोना 28 ग्राम का होता है। इससे पहले इसकी कीमत 3500 डॉलर प्रति औंस के करीब थी। वहीं भारत के घरेलू बाजार में जीएसटी और मेकिंग चार्ज मिलाकर सोने की कीमत एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में पांच जून की एक्सपायरी वाले सोने की कीमत एक लाख के आसपास है। अक्षय तृतीया के मौके पर सोने की कीमत लगभग चार हजार रुपये प्रति 10 ग्राम गिर गई है। सोने की कीमत अब 95 हजार के आसपास हो गई है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे की गिरावट के साथ 85.15 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 19 पैसे की गिरावट के साथ 85.15 प्रति डॉलर पर आ गया। भू–राजनीतिक तनाव और अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। हालांकि, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों ने घरेलू मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.15 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.96 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.34 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 165.90 अंक की बढ़त के साथ 80,454.28 अंक पर जबकि निफ्टी 51.30 अंक चढ़कर 24,387.25 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,385.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी

विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, अमेरिकी बाजारों में तेजी के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल आया। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 232.51 अंक की गिरावट के साथ 80,055.87 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 67.15 अंक फिसलकर 24,268.80 अंक पर रहा। हालांकि, बाद में दोनों ने बढ़त हासिल कर ली और सकारात्मक दायरे में कारोबार करने लगे। सेंसेक्स 76.72 अंक की बढ़त के साथ 80,365.10 अंक पर और निफ्टी 23.30 अंक चढ़कर 24,359.25 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में

से बजाज फिनसर्व के शेयर में छह प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि बजाज फाइनेंस में चार प्रतिशत से अधिक टूटा। टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नुकसान में रहे। पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति के शेयर मुनाफे में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा शंघाई एसएसई कम्पोजिट नुकसान में रहे जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.61 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,385.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

जीत के साथ कोलकाता की आस बरकरार, दिल्ली ने घर में गंवाया तीसरा मुकाबला

; जानिए अंक तालिका का हाल

नई दिल्ली। सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। केकेआर के लिए नरेन ने तीन और वरुण ने दो विकेट लिए जबकि अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा और आंद्रे रसेल को एक–एक सफलता मिली।

घर से बाहर दिल्ली की तीसरी हार

दिल्ली ने इस सत्र में अबतक कुल चार मुकाबले अपने घर में खेले हैं। इनमें उन्होंने तीन मैच गंवाए जबकि एक में उन्हें सुपरओवर में जीत मिली है। वहीं, घर से बाहर अक्षर पटेल की टीम ने छह में से पांच मुकाबले जीते जबकि एक में उन्हें शिकस्त मिली है। मंगलवार को इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की आस बरकरार रखी है। उनके खाते में नौ अंक हो गए और उनका नेट रन रेट 0.271 हो गया है। वहीं, दिल्ली 12 अंक और 0.362 का नेट रन रेट लेकर चौथे स्थान पर है।

दिल्ली की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। अनुकूल रॉय ने पहले ही ओवर में अभिषेक पोरेल को रसेल के हाथों कैच आउट कराया। वह सिर्फ चार रन बना सके। इसके बाद तीसरे और चौथे नंबर पर आए करुण नायर 15 और केएल राहुल सात रन बना पाए। चौथे विकेट के लिए फाफ डुप्लेसिस को कप्तान अक्षर पटेल का साथ मिला। दोनों के बीच 42 गेंदों में 76 रनों की साझेदारी हुई। नरेन ने अक्षर को अपना शिकार बनाया। वह चार चौके और तीन छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फाफ डुप्लेसिस ने 31 गेंदों में इस सत्र का अपना दूसरा पचासा पूरा किया। वह 45 गेंदों में 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने 38 रन बनाए। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने एक रन, आशुतोष शर्मा ने सात रन और मिचेल स्टार्क खाता खोले बगैर आउट हो गए। वहीं, दुष्मंथा चमीरा और कुलदीप यादव क्रमशरू दो और एक रन बनाकर नाबाद रहे।

कोलकाता की पारी

इस मैच में रहमनुल्लाह गुरबाज और सुनील नरेन ने दिल्ली को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी हुई। स्टार्क ने गुरबाज को अपना शिकार बनाया। वह 12 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विप्रज निगम ने सुनील नरेन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अजिंक्य रहाणे ने कुछ अच्छे शॉट खेले और 26 रन बनाने में कामयाब हुए। अंगकृष रघुवंशी ने रिंकू सिंह के साथ दिल्ली पर दबाव डालने की कोशिश की और 50 से ज्यादा रनों की साझेदारी निभाई। चमीरा ने रघुवंशी को पवेलियन की राह दिखाई। वह 32 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट हुए जबकि रिंकू ने तीन चौके और एक छक्के की मदद से 36 रनों की अच्छी पारी खेली। वहीं, वेंकटेश अय्यर का बल्ला आज खामोश रहा। वह सिर्फ सात रन बना सके जबकि रसेल अपने जन्मदिन की रोज 17 रन बनाकर रनआउट हो गए। रोवमैन पॉवेल ने पांच रन बनाए और अनुकूल रॉय खाता भी नहीं खोल पाए। हर्षित राणा खाता खोले बिना नाबाद रहे और वरुण चक्रवर्ती ने एक' रन बनाया। दिल्ली के लिए मिचेल स्टार्क ने तीन विकेट लिए जबकि विप्रज निगम और अक्षर पटेल को दो–दो विकेट मिले। वहीं, दुष्मंथा चमीरा ने एक सफलता अपने नाम की।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की चमकेगी किस्मत, इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में मिलेगी जगह! सामने आया शेड्यूल

आईपीएल 2025 के समापन के बाद भारत को इंग्लैंड के दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए रवाना होना है। इसी दौरान भारत की अंडर–19 टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर–10 टीम के इस दौरे के दौरान वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे भी स्क्वॉड का हिस्सा होंगे। भारत में इन दिनों आईपीएल 2025 की धूम मची हुई है और टूर्नामेंट में एक के बाद एक धमाकेदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। आईपीएल के समापन के बाद भारत को इंग्लैंड के दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए रवाना होना है। इसी दौरान भारत की अंडर–19 टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर–10 टीम के इस दौरे के दौरान वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे भी स्क्वॉड का हिस्सा होंगे। बता दें कि, टीम इंडिया इस दौरे पर 5 वनडे और दो टेस्ट मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक 21 जून को टीम यूके लैंड करेगी इस दौरे पर 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। दोनों खिलाड़ी इस समय आईपीएल 2025 में धमाल मचा रहे हैं। वैभव जहां राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, आयुष म्हात्रे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इन दोनों के अलावा भी कुछ अन्य खिलाड़ियों को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। इंग्लैंड का ये आगामी दौरा भारत की अंडर–19 टीम के लिए अहम तैयारी का काम करेगा। क्योंकि वे अंडर–19 वर्ल्ड कप के लिए कमर कस रहे हैं, जो अगले साल जनवरी में जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाला है। पिछली बार भारत की अंडर–19 टीम पिछले साल दिसंबर में यूएई में आयोजित एशिया कप के दौरान खेली थी, जहां उन्होंने फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन आखिर में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी।

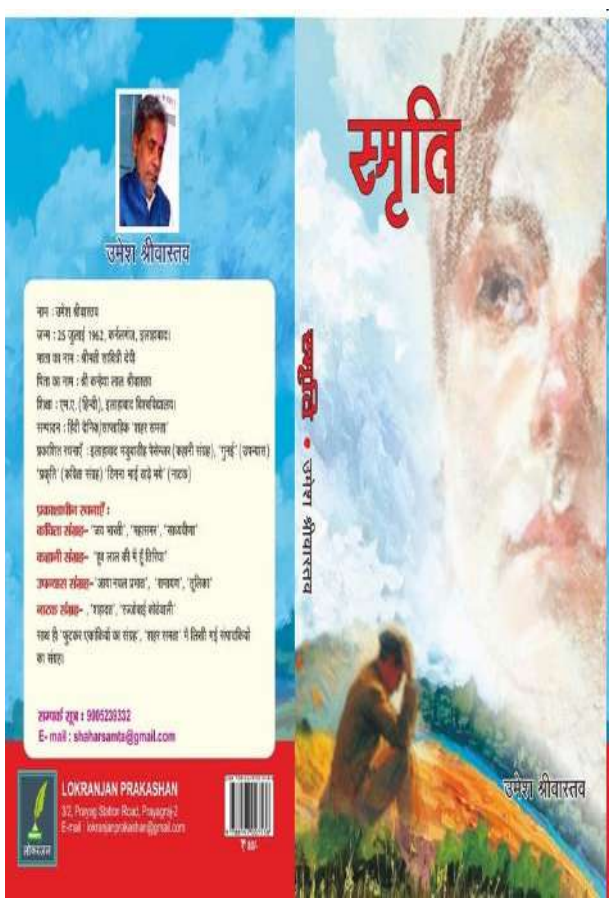

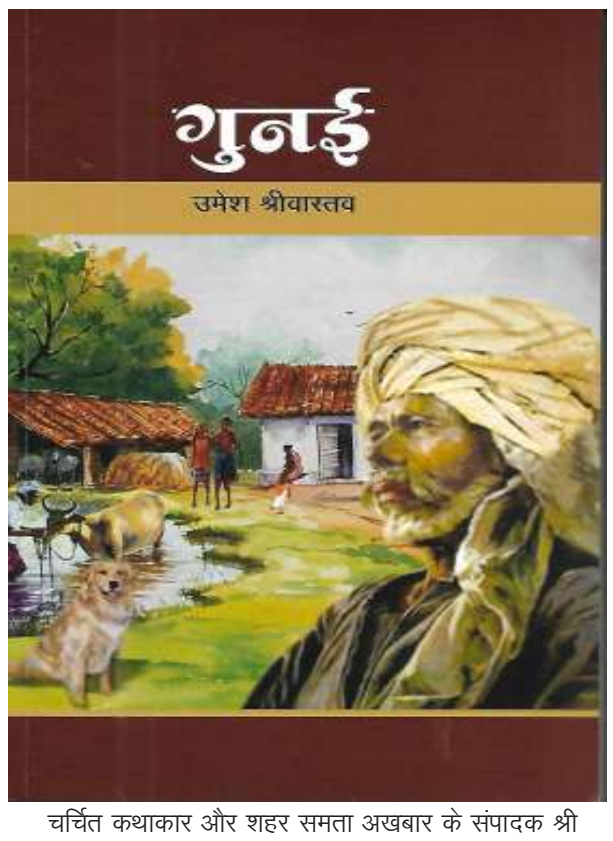

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

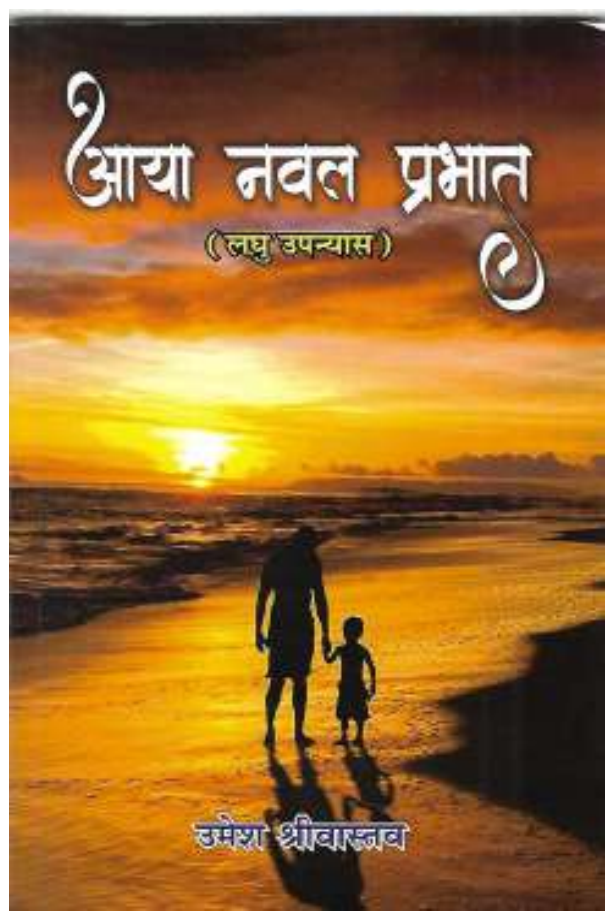

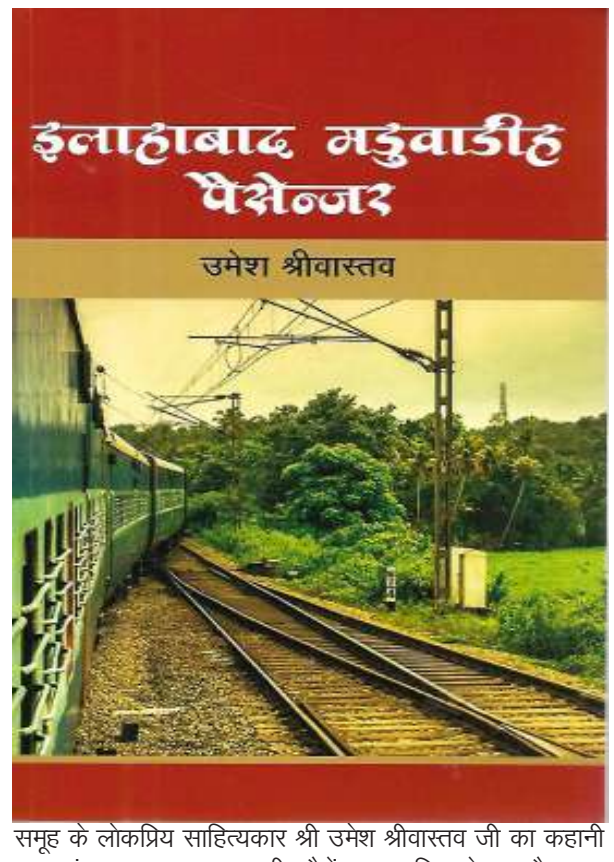

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

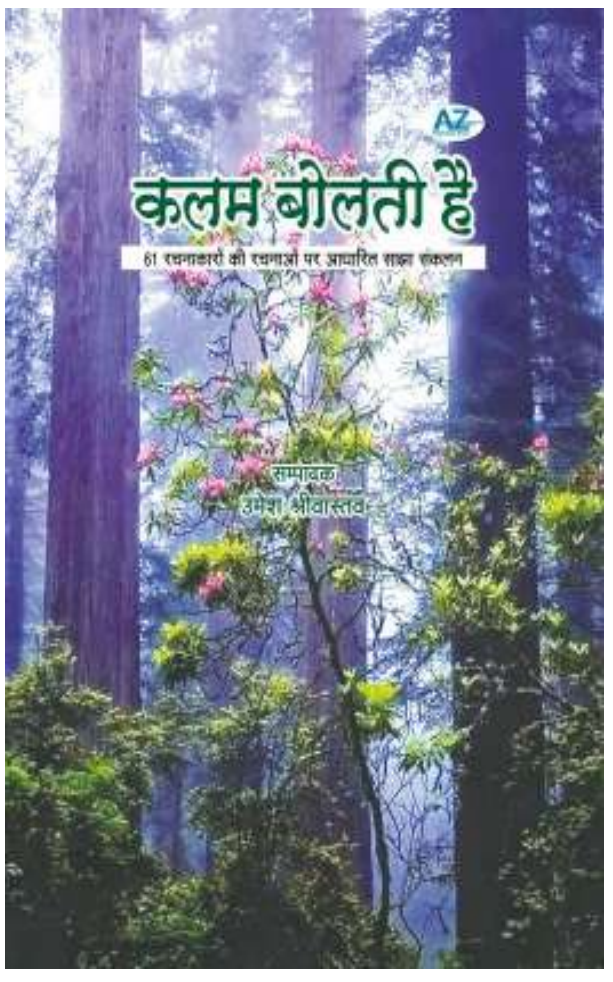

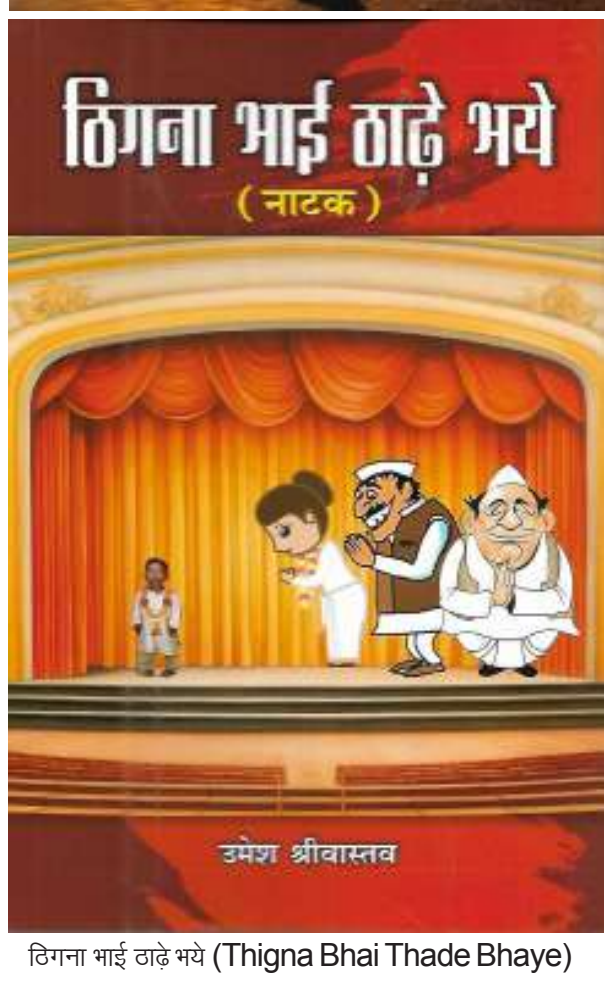

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान की सुरंग वाली साजिश पर बड़ा खुलासा, आतंकियों और सैनिकों को इसी से भेजने की तैयारी, बीएसएफ-आर्मी जांच में जुटी

सीमा पर पाकिस्तान की बहुत बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है कि बॉर्डर के उस पार पाकिस्तान सुरंग वाली साजिश को अंजाम देने में जुटा है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में ये खुलासा किया है कि पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और दोनों देशों के बीच सशस्त्र संघर्ष के दौरान संभावित रूप से सैनिकों को दूसरी तरफ भेजने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार गहरी सुरंगें खोदी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीएसएफ और सेना को घुसपैठ के लिए इस्तेमाल की जा रही गहरी भूमिगत सुरंगों की संभावना की जांच करने का निर्देश दिया गया है। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद, उन्हें यह पता लगाने का निर्देश दिया गया था कि क्या पाकिस्तान ने घुसपैठ को आसान बनाने और यहां तक घ्कि किसी भी सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में सैनिकों को भेजने के लिए खाइयों के नीचे बहुत गहरी सुरंगें खोदने में कामयाबी हासिल की है।

500 मीटर लंबी और 30 मीटर गहरी सुरंग

रिपोर्ट के अनुसार बीएसएफ, सेना और खुफिया अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पूर्व सैनिकों को सीमा के पास तैनात किया है, ताकि वे प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में कार्य कर सकें और अपनी ओर से सुरंग खोदने के अभियान में सहायता कर सकें। 2020 में सुरक्षा बलों द्वारा खोजी गई सुरंगों में से एक 500 मीटर लंबी और 30 मीटर गहरी थी। अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवादी गतिविधियों को छिपाने के लिए सीमा के पास के इलाकों में ऊंची–ऊंची हाथी घास उगाने की अनुमति दी है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सुरंग पाकिस्तानी क्षेत्र में लगभग 200 मीटर तक फैली हुई थी और इसमें ऑक्सीजन पाइप लगा हुआ था, ताकि घुसपैठियों को सीमा पार करने के लिए इंतजार करते समय सांस लेने में मदद मिल सके।

पुलवामा और नगरोटा कैंप हमले के दौरान सुरंगों का किया गया था इस्तेमाल

जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) प्रमुख मौलाना मसूद अजहर का भतीजा और 2019 के पुलवामा हमले के पीछे मुख्य लोगों में से एक उमर फारूक अप्रैल 2018 में सांबा सेक्टर में एक सुरंग के जरिए भारत में दाखिल हुआ था। इसी तरह, 2016 के नगरोटा कैंप हमले के पीछे चार हमलावरों ने भी सीमा पार करने के लिए एक सुरंग का इस्तेमाल किया था। अधिकारी ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि हमने एंटी–टनल तकनीक तैनात की है और पूरी सीमा पर भौतिक निरीक्षण किया है, हम यह सुनिश्चित नहीं कर सकते हैं कि पाकिस्तान ने भारतीय सीमा पर बहुत गहरी सुरंगें खोदी हैं या नहीं, जो पता नहीं चल पाई हैं।ष 2001 से, भारत ने आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली लगभग 22 सुरंगों की खोज की है, लेकिन अधिकारियों का मानना घ्है कि और भी सुरंगें हो सकती हैं।

सुरक्षाबलों ने चलाया अभियान

इस साल जनवरी की शुरुआत में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बड़े पैमाने पर, महीनों तक चलने वाला अभियान शुरू किया था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आतंकवादियों द्वारा भारतीय क्षेत्र में घुसने के लिए सुरंगों का इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा है। यह काम खुफिया सूचनाओं के बीच किया गया था, जिसमें घुसपैठ की कोशिशों में वृद्धि की चेतावनी दी गई थी। अभ्यास के दौरान, पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के 33 किलोमीटर के हिस्से में भूमिगत घुसपैठ को रोकने के लिए 25 किलोमीटर तक सुरंग–रोधी खाइयाँ खोदी गईं। यह कदम खुफिया रिपोर्टों में इस साल घुसपैठ के उच्च जोखिम की चेतावनी के बाद उठाया गया था।

संक्षिप्त

उत्तर कोरिया ने अपने नए विध्वंसक पोत से मिसाइलों का परीक्षण किया

उत्तर कोरिया ने बुधवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने नए विध्वंसक पोत से मिसाइलों का पहला परीक्षण देखा और अपनी नौसेना की परमाणु हमले की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयासों में तेजी लाने का आह्वान किया। उत्तर कोरिया ने पिछले हफ्ते युद्धपोत का जलावतरण किया था जो शक्तिशाली

हथियारों से लैस है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने बुधवार को कहा कि किम ने इस सप्ताह की शुरुआत में विध्वंसक पोत की सुपरसोनिक और रणनीतिक क्रूज मिसाइलों, विमान भेदी मिसाइल, स्वचालित तोपों और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग गनों का परीक्षण देखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने युद्धपोत की शक्तिशाली हथियार क्षमताओं की सराहना की तथा अपनी नौसेना को परमाणु हथियार संपन्न बनाने में तेजी लाने की दिशा में कार्य करते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने उत्तर कोरिया पर किसी भी तरह के हमले की स्थिति में उसकी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि अमेरिका के नेतृत्व में उसके खिलाफ बढ़ते विरोध का सामना किया जा सके।

इमरान खान ने पहलगाम हमले को 'बेहद परेशान करने वाला और दुखद' बताया

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पहलगाम आतंकी हमले को मंगलवार को बेहद परेशान करने वाला और दुखद बताते हुए मंगलवार को कहा कि भारत को जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है। खान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम घटना में लोगों की जान जाना बेहद परेशान करने वाला और दुखद है। मैं पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, जब पुलवामा की घटना हुई, तो हमने भारत को हरसंभव सहयोग देने की पेशकश की थी, लेकिन भारत कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा। जैसा कि मैंने 2019 में

भविष्यवाणी की थी, पहलगाम की घटना के बाद फिर से वही हो रहा है। आत्मनिरीक्षण और जांच के बजाय, मोदी सरकार फिर से पाकिस्तान पर दोष मढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 1.5 अरब लोगों का देश होने के नाते भारत को खिलवाड़ करने के बजाय जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है। खान ने कहा, शांति हमारी प्राथमिकता है, लेकिन इसे कायरता नहीं समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के पास किसी भी भारतीय दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने की पूरी क्षमता है, जैसा कि पूरे देश के समर्थन वाली मेरी सरकार ने 2019 में किया था। मैंने हमेशा कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार के महत्व पर जोर दिया है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों द्वारा गारंटी दी गई है। खान ने कहा कि वह इस तथ्य को भी उजागर करते रहे हैं कि आरएसएस की विचारधारा के नेतृत्व वाला भारत न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि उससे परे भी एक गंभीर खतरा है।

न्यूजीलैंड में 6.2 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

न्यूजीलैंड के पश्चिमी तट पर मंगलवार देर रात 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, हालांकि अधिकारियों ने किसी प्रकार की क्षति की जानकारी नहीं दी है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण का कहना है कि भूकंप स्थानीय समयानुसार रात एक बजे के कुछ समय बाद ही आया। इसका केंद्र न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल शहर से 300 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में और समुद्र में सतह से 10 किलोमीटर नीचे था। न्यूजीलैंड की भूगर्भीय विज्ञान एजेंसी के अनुसार, न्यूजीलैंड में भूकंप महसूस नहीं किया गया।

पाक से तनाव के बीच पीएम मोदी का रूस दौरा रद्द, विक्ट्री डे परेड में होना था शामिल

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए रूस नहीं जाएंगे। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। प्रधानमंत्री मोदी को विजय दिवस समारोह में भाग लेना था, जो द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी पर सोवियत रूस की जीत की 80वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। जनवरी 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, सोवियत सेना ने जर्मनी के खिलाफ एक आक्रामक अभियान शुरू किया, जिसमें लाल सेना की जीत हुई। इसके बाद, 9 मई को कमांडर–इन–चीफ ने जर्मनी के बिना शर्त आत्मसमर्पण के अधिनियम पर हस्ताक्षर किए, जिससे युद्ध समाप्त हो गया। प्रधानमंत्री मोदी की रूस की पिछली यात्रा जुलाई 2024 में हुई थी, जो लगभग पांच वर्षों में उनकी पहली विदेश यात्रा थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

'पाकिस्तान परमाणु शक्ति संपन्न है, कोई आसानी से हमला नहीं कर सकता', भारत से तनाव के बीच बोली मरियम नवाज

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कुछ साहसिक और भड़काऊ बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि अल्लाह की कृपा से कोई भी देश पर हमला करने की हिम्मत नहीं कर सकता क्योंकि उसके पास परमाणु शक्ति है।

नवाज शरीफ की बेटी का भड़काऊ बयान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है, इसलिए कोई उस पर आसानी से हमला नहीं कर सकता है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज़ (पीएमएल–एन) की नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ की बेटी मरियम नवाज़ ने एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''आज भारत–पाक सीमा पर तनाव का माहौल है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। अल्लाह ने पाकिस्तानी सेना को देश की रक्षा के लिए ताकत दी है।'' उन्होंने कहा, ''हम एक परमाणु शक्ति (संपन्न देश) हैं, इसलिए पाकिस्तान पर कोई आसानी से हमला नहीं कर सकता। हमारी राजनीतिक विचारधारा चाहे कुछ भी हो, हमें बाहरी हमले के खिलाफ सेना के साथ खड़ा होना चाहिए।''

पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने का श्रेय नवाज़ शरीफ़ को दिया

मरियम ने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने का श्रेय अपने पिता नवाज़ शरीफ़ को देते हुए कहा, ''पाकिस्तान की ताकत उसके शहीदों की कुर्बानी से आती है और नवाज़ शरीफ़ ने देश को परमाणु शक्ति बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।'' मरियम और नवाज़ शरीफ़ दोनों ने अभी तक जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की है, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान में दहशत का माहौल

भारत द्वारा पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पीछा करने की कसम खाने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। पिछले चार दिनों में, पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की है, जिसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया है।

मोदी ने दी आर्मी को खुली छूट!! 'अगले 24 से 36 घंटों में सैन्य कार्रवाई की योजना बना रहा भारत', पाक सूचना मंत्री का ताजा बयान

पाकिस्तान ने बुधवार को ''विश्वसनीय खुफिया जानकारी'' का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई की योजना बना रहा है। पाकिस्तान ने साथ ही भारत को चेतावनी दी कि उसे भी इसके परिणाम भुगतने होंगे। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि भारत सरकार पहलगाम में हाल में हुए आतंकवादी हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में ''निराधार और मनगढ़ंत आरोपों'' के आधार पर हमला करने की तैयारी कर रही

है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और उसने हमेशा आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने एक आयोग द्वारा ''विश्वसनीय, पारदर्शी और स्वतंत्र'' जांच की पेशकश की है लेकिन भारत जांच से बच रहा है और टकराव का रास्ता चुन रहा है। पाकिस्तान ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सतर्क रहना चाहिए, साथ ही उसने चेतावनी दी कि भारत द्वारा किसी भी सैन्य दुस्साहस का ''निश्चित रूप से और निर्णायक रूप से जवाब दिया जाएगा'' और ''संघर्ष की स्थिति बढ़ने तथा उसके परिणामों की जिम्मेदारी पूरी तरह से भारत पर होगी। इस बीच, मंगलवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से टेलीफोन पर बातचीत की और पहलगाम घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की। शरीफ ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से टेलीफोन पर बातचीत हुई। मैंने आतंकवाद के सभी रूपों की पाकिस्तान की निंदा की पुष्टि की, निराधार भारतीय आरोपों को खारिज किया और पहलगाम घटना की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग की... पाकिस्तान शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन चुनौती मिलने पर पूरी ताकत से अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा।

इमरान खान ने पाकिस्तान के अंदर की बात बताई! मोदी की मीटिंग के बाद कैसे शहबाज–मुनीर के उड़े होश

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और जेल में कैद पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान का बयान सामने आया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव वाली स्थिति को लेकर एक लंबा–चौड़ा पोस्ट उन्होंने किया है। इसके अलावा उन्होंने 2019 पुलवामा का भी जिक्र किया है। इमरान खान ने बहुत सारी बातें कही और भारत पर कई गंभीर आरोप लगाने की कोशिश भी की है। हालांकि इस समय भारत में पाकिस्तान को जवाब दिए जाने की बात चल रही है और लगातार मीटिंग का दौर चल रहा है। दिल्ली में हाई

लेवल मीटिंग हो रही है। सेना के तीनों अध्यक्षों संग बात हो रही है और संदेश सीधा सा है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करना है। ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने क्या कहा है, ये आपको बताने से पहले बता देते हैं कि नई दिल्ली का तापमान पाकिस्तान के कायरतापूर्ण हरकत के बाद कैसे हाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। यह दूसरा अवसर है जब प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री और विदेश मंत्री की मौजूदगी वाली सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक जम्मू एवं कश्मीर के 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हुई है। हालांकि, यह दूसरी कैबिनेट बैठक है जो महत्वपूर्ण है। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति को श्सुपर कैबिनेटश के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसमें केंद्रीय मंत्रिमंडल के शीर्ष मंत्री शामिल होते हैं। ब्ब्। की आखिरी बैठक 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद हुई थी, जिसके बाद भारत ने बालाकोट हवाई हमले के साथ जवाब दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बैठक में भारतीय सशस्त्र बलों को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले का जवाब देने के लिए फ्री हैंड दिया हुआ है। सीसीपीए राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों की समीक्षा और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दरअसल, दिल्ली में मीटिंग के दौर के बाद पाकिस्तान में इमरान खान का रोना जारी है। उन्होंने अपने एक्स पर पोस्ट पर 411 शब्दों का पोस्ट डाला है। जिसमें चार बार मोदी का नाम लिया है। इमरान खान लिखते हैं कि पहलगाम में जो हमला हुआ उसकी निंदा होनी चाहिए। इसका उन्हें तकलीफ है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसके बाद इमरान खान इसे फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन का नाम दे रहे हैं। मतलब भारत द्वारा मनगढ़ंत ऑपरेश है। भारत एक आरोप लगा रहा है पाकिस्तान के ऊपर। फिर उन्होंने जिक्र किया है कि यही चीज भारत ने पुलवामा में भी किया था। पुलवामा में भी झूठा ऑपरेशन हुआ था और हमने जब भारत से इसके सबूत मांगे थे तो वो सबूत देने में नाकाम हो गए थे। मतलब इमरान खान कितनी हास्यासपद बातें कर रहे हैं। इमरान खान ने कहा कि भारत इतने बड़े 1.5 अरब की आबादी वाला देश है, उसे जिम्मेदारी के साथ अपने विचार रखने चाहिए। इमरान खान कह रहे हैं कि एक न्यूक्लियर फ्लैश प्वाइंट क्रिएट करने की कोशिश की गई है। आखिर में इमरान ने कश्मीरियों के लिए हमदर्दी दिखाते हुए कहा है कि यूनाइटेड नेशन रेज्यल्यूशन के हिसाब से हम कश्मीरियों की हिफाजत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मतलब पाकिस्तान अपनी तो हिफाजत नहीं कर पा रहा है। उसका एक नेता जो खुद दर्जन भर मामलों को झेलते हुए सलाखों के पीछे है वो कह रहा है कि हम कश्मीरियों की हिफाजत करेंगे। इमरान खान आखिर में कहते हैं कि मैं तो पहले से ही कहता था कि नवाज शरीफ, शहबाज शरीफ परिवार और जरदारी परिवार इन दोनों के पाकिस्तान से बाहर अपने बिजनेस वाले हित हैं और इसी वजह से वो पाकिस्तानियों का भला नहीं सोच रहे हैं। वो कभी भी भारत के खिलाफ खुलकर नहीं बोलेंगे क्योंकि उनकी संपत्ति और उनका बिजनेस पाकिस्तान से बाहर बहुत बड़े पैमाने पर फैला हुआ है। वो अपने आर्थिक हित को बचा रहे हैं। इसके साथ ही इमरान खान लिखते हैं कि ये डर का सैंपल है। शहबाज शरीफ की सरकार डर गई है।

भारत के साथ टेंशन के बीच पाकिस्तान ने 2 मई तक इस्लामाबाद और लाहौर में नो–फ्लाई जोन घोषित किया

भारत द्वारा पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पीछा करने की कसम खाने के बाद पाकिस्तान ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रखा है। पिछले चार दिनों में, पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की है, जिसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया है।

इसके अलावा कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की संभावना के मद्देनजर भारतीय नौसेना ने रविवार सुबह अरब सागर में कई जहाज–रोधी गोलीबारी के दृश्य साझा किए और कहा कि वे युद्ध के लिए तैयार हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।